सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

परिवहन विशेष

www.newsparivahan.com

वर्ष 01, अंक 305, नई दिल्ली । रविवार, 14 जनवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

मूर्ख व्यक्ति दूर-दूर तक खुशी तलाश था , ज्ञानी बिना कुछ कर ही उसे पा लेता है।

03 दिल्ली खेल विद्यालय में सुविधाओं का अभाव, बच्चों का नाम

06 सुरक्षा तो हमारी संसद की सबसे छोटी समस्या है

08 राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष में रक्तदान आयोजन हुआ

दिल्ली मेट्रो के नाम जुड़ा एक और कीर्तिमान, 2024 की नए साल के पहले दिन दिल्ली मेट्रो ने बनाया ये नया रिकॉर्ड

नए साल के पहले दिन छह वर्षों में सबसे ज्यादा लोगों ने दिल्ली मेट्रो में की यात्रा। साल के पहले दिन 67 लाख से ज्यादा लोगों ने किया सफर।

संजय बाटला

राष्ट्रीय राजधानी की दिल्ली मेट्रो ने नए साल 2024 के पहले दिन पिछले छह वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) ने बताया कि एक जनवरी 2024 को 67 लाख से अधिक लोगों ने दिल्ली मेट्रो में यात्रा की। यह पिछले छह वर्षों में नए साल के दिन दर्ज की गई संख्याओं में सबसे ज्यादा यात्रियों की संख्या थी।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की दिल्ली मेट्रो ने नए साल 2024 के पहले दिन पिछले छह वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) ने बताया कि एक जनवरी, 2024 को 67 लाख से अधिक लोगों ने दिल्ली मेट्रो में यात्रा की। यह पिछले छह वर्षों में नए साल के दिन दर्ज की गई संख्याओं में सबसे ज्यादा यात्रियों की संख्या थी।

डीएमआरसी द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 1 जनवरी को कुल 67.47 लाख यात्रियों ने मेट्रो की सेवाओं का लाभ उठाया।

क्या कहते हैं आंकड़े

एक जनवरी, 2023 को 49.16 लाख लोगों ने मेट्रो से यात्रा की। वहीं, 2022 के पहले दिन 23.66 लाख, 2020 में 55.26 लाख और 2019 में 50.16 लाख लोगों ने मेट्रो में सफर किया। 1 जनवरी, 2021 को सबसे कम यानी 18.07 लाख यात्रियों की संख्या दर्ज की गई। यह वो वर्ष था जब कोविड-19 लॉकडाउन के बाद पहला नए साल का जश्न मनाया गया था।

इस वर्ष एक जनवरी को दिल्ली के राजीव चौक, पटेल चौक और केंद्रीय सचिवालय समेत कई मेट्रो स्टेशनों के बाहर लंबी कतारें थीं। इसी तरह पिछले साल 31 दिसंबर, 2023 को 48.46 लाख लोगों ने मेट्रो में यात्रा की।

पिछले छह वर्षों में नए साल की पूर्व संध्या पर सबसे अधिक यात्राएं 31 दिसंबर, 2019 को हुईं। इस दौरान 55.29 लाख लोगों ने मेट्रो में यात्रा की।

नई साल की पूर्व संध्या पर सफर करने के आंकड़े

हालांकि, पिछले छह वर्षों में नए साल की पूर्व संध्या पर सबसे अधिक सवारियां 31 दिसंबर, 2019 को 55.29 लाख दर्ज की गईं, जैसा कि आंकड़ों में कहा गया है।

31 दिसंबर, 2022 को 47.40 लाख, 2021 में 27.45 लाख और 2018 में 50.67 लाख यात्रियों ने सुविधा का लाभ उठाया। सबसे कम 18.86 लाख यात्रियों की संख्या 31 दिसंबर, 2020 को दर्ज की गई, जो कि कोविड लॉकडाउन के बाद नए साल की पहली पूर्व संध्या का जश्न था।

डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने कहा था कि वर्तमान में डीटीसी बसों के लिए क्यूआर टिकट बनाने के लिए उपयोग किया जाने वाला 'वन दिल्ली' ऐप अब दिल्ली मेट्रो के लिए क्यूआर टिकटों को भी शामिल करके सुव्यवस्थित यात्रा व्यवस्था के लिए एक व्यापक मंच के रूप में कार्य करता है।

किरतपुर-कुल्लू-केलांग बना हिमाचल का पहला ग्रीन कॉरिडोर...

परिवहन विशेष न्यूज

सरकार ने प्रदेश का पहला ग्रीन कॉरिडोर किरतपुर-बिलासपुर-मंडी-कुल्लू-मनाली-केलांग तैयार कर दिया है। इस मार्ग पर इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए सात चार्जिंग स्टेशन तैयार कर दिए गए हैं।

शिमला। चंडीगढ़ से किरतपुर-कुल्लू-मनाली होते हुए केलांग तक पर्यटक और स्थानीय लोग अब इलेक्ट्रिक वाहनों में आसानी से आवाजाही कर सकेंगे। सरकार ने प्रदेश का पहला ग्रीन कॉरिडोर किरतपुर-बिलासपुर-मंडी-कुल्लू-मनाली-केलांग तैयार कर दिया है। इस मार्ग पर इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए सात चार्जिंग स्टेशन तैयार कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बताया कि सरकार ने पहले बजट भाषण में 31 मार्च 2026 तक प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य बनाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का एलान किया था। इसी कड़ी में पहला ग्रीन कॉरिडोर तैयार कर लिया गया है। जल्द ही पांच अन्य कॉरिडोर भी तैयार कर लोगों को समर्पित कर दिए जाएंगे।

यहां स्थापित किए हैं ईवी चार्जिंग स्टेशन

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने किरतपुर-बिलासपुर-मंडी-कुल्लू-मनाली-केलांग ग्रीन कॉरिडोर पर घंडल, दाड़लाघाट के समीप दसेरन, बिलासपुर के पास नौणी, जडोल, नेरचौक बाईपास, कुल्लू में भूतनाथ मंदिर पुल के सामने और केलांग में ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं। शिमला से केलांग जाने वाले इलेक्ट्रिक वाहन चालकों को भी इन चार्जिंग स्टेशनों का लाभ मिलेगा।

ये बनेंगे पांच नए ग्रीन कॉरिडोर

ग्रीन कॉरिडोर परवाणू-नालागढ़-ऊना-हमीरपुर-देहरा-अंब-मुबारकपुर-संसारपुर-टैरेस-नूरपुर, पांवटा-नाहन-सोलन-शिमला, परवाणू-सोलन-शिमला-रामपुर-रिकांगपिओ-पूह-ताबो-काजा-लोसर, शिमला-बिलासपुर-हमीरपुर-कांगड़ा-नूरपुर-बनीखेत-चंबा, मंडी-जोगिंदरनगर-पालमपुर-धर्मशाला-कांगड़ा-पठानकोट को भी जल्द चार्जिंग सुविधा से लैस करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

45 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू

परिवहन विभाग ने ग्रीन कॉरिडोर के लिए 45 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने को निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार स्टेशनों को स्थापित करने के लिए निजी ऑपरेटरों और राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना के तहत ई-टैक्सी, ई-बस और ई-ट्रक की खरीद पर 50 फीसदी अनुदान प्रदान कर रही है।

कोहरे का कोहराम: दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर हादसा दो की मौत चार घायल, मृत भाई-बहन जा रहे थे परीक्षा देने

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। शनिवार सुबह अधिक कोहरे के चलते दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस हाईवे पर एक्सयूवी और हाईवा की टक्कर में भाई बहन की मौत चार गंभीर रूप से घायल। आरोपी डंपर चालक मौके से फरार पुलिस ने डंपर को अपने कब्जे में लेकर और दोनों शव का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह लगभग 9:30 बजे सोहना से अलवर परीक्षा देने जा रहे एक फोर्ड गाड़ी की डंपर से भिड़ंत हो गई। अधिक कोहरा होने के चलते डंपर और एक्सयूवी की भिड़ंत हो गई। जिससे परीक्षा देने जा रहे हर्ष सैनी (22) वर्ष पुत्र रामचंद्र सैनी अंजलि सैनी उम्र (24) वर्ष पुत्री धर्मचंद सैनी एडवोकेट निवासी सोहना वार्ड नंबर 18 नजदीक देवी मंदिर की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई, जबकि गाड़ी में बैठे अन्य चार गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनमें से एक की हालत ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। जिन्हें इलाज के लिए अन्य अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया, वहीं डंपर चालक मौके का फायदा उठाकर फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस ने बताया कि डंपर चालक डंपर को दिल्ली मुंबई वडोदरा एक्सप्रेस वे पर अपने डंपर को खड़ा कर एक होटल पर चाय पीने के लिए गया हुआ था। आरोपी डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है और शव का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया है। जांच अधिकारी वीरेंद्र सिंह का कहना है कि पुलिस को दुर्घटना में घायल मानवी की तरफ से शिकायत मिल गई है पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

होटल और वाहनों की अवैध पार्किंग दे रही हादसों को बढ़ावा

दिल्ली मुंबई बड़ोदरा एक्सप्रेसवे पर आए दिन हो रही दुर्घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। जानकारों की माने तो लगातार पुलिस प्रशासन द्वारा मुंबई बड़ोदरा एक्सप्रेस वे के आसपास लग रहे अवैध होटल, ढाबों को हटाने का कार्य किया गया लेकिन कुछ ग्रामीणों द्वारा पुनः उन्हीं स्थानों पर होटल और ढाबे चला कर राहगीरों को लुभाने का कार्य किया जा रहा है। जिसके चलते वाहन चालक अवैध रूप से चल रहे होटल और ढाबों पर मुख्य मार्ग पर अपने वाहनों को रोक कर दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। स्थानीय थाना प्रभारी राधेश्याम द्वारा बार-बार अवैध रूप से चल रहे होटल ढाबा पर कार्रवाई की जा रही है लेकिन कुछ दबंग लोगों द्वारा बार-बार प्रशासन को ठेंगा दिखाते हुए अवैध कारोबार को बढ़ावा दिया जा रहा है और दुर्घटनाओं को नेता दिया जा रहा है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

कोहरा कर रहा परेशान : 500 विमानों की उड़ान पर असर 200 से अधिक ट्रेनें बार-बार रुकने पर मजबूर, घंटों की देरी

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली एयरपोर्ट शून्य दृश्यता की स्थिति गुरुवार से ही बनने लगी थी। रनवे सफेद धुंध की चादरों में लिपटा हुआ था। ऐसे में कृत्रिम लाइट कर विमानों की आवाजाही कराई गई बावजूद सुबह छह बजे ही विमान पर असर पड़ने लगा। करीब पांच सौ विमान की आवाजाही प्रभावित हुई।

उत्तर भारत में ना तो कड़ाके की ठंड ही कम हो रही है और ना ही घना कोहरा। स्थिति यह है कि दिल्ली के एयरपोर्ट पर दृश्यता घट कर शून्य तक पहुंच रही है। यही हाल रेलवे ट्रैक का भी है। रेलवे स्टेशन से जैसे ही ट्रेन आगे बढ़ती है तो धुंध में ट्रैक पर ट्रेन चलाना मुसीबत भरा ड्राइवर के लिए हो जाता है। ऐसे में विमान और ट्रेनों की रफ्तार थम गई है। शुक्रवार को कोहरे का सबसे ज्यादा असर विमान सेवा पर देखने को मिला।

दिल्ली एयरपोर्ट शून्य दृश्यता की स्थिति गुरुवार से ही बनने लगी थी। रनवे सफेद धुंध की चादरों में लिपटा हुआ था। ऐसे में कृत्रिम लाइट कर विमानों की आवाजाही कराई गई बावजूद सुबह छह बजे ही विमान पर असर पड़ने लगा। करीब पांच सौ विमान की आवाजाही प्रभावित हुई। सबसे ज्यादा प्रभाव घरेलू आगमन वाले विमान पर दिखा।

200 से अधिक 15 मिनट से 2 घंटे की देरी से उतरे। इसके अलावा अन्य शहरों के लिए उड़ान भरने वाले विमान भी काफी मशक्कत से उड़ान भरे। 190 से अधिक विमान इस वजह से प्रभावित हुए। घरेलू ही नहीं अंतरराष्ट्रीय विमान भी कोहरे की चपेट में आए। रवानबर वाले 52 से अधिक तो आने वाले 45 से अधिक विमान देरी से संचालित हुए। शायद ही कोई घरेलू व अंतराष्ट्रीय विमान अपने नियत समय से उड़ान भर सके। हालांकि कई विमानों को नियत समय से पहले भी रवानगी की गई।

उधर, रेलगाड़ियों के मुसाफिरों की भी मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही है। 200 से अधिक लंबी दूरी की ट्रेन ट्रैक पर ठिठक-ठिठक कर चली। हालांकि ज्यादातर ट्रेन बृहस्पतिवार रात को ही देरी से चली। शुक्रवार 10 बजे के बाद दृश्ता बढ़ने की वजह से ट्रेन अपनी-अपनी रफ्तार में चली। वाराणसी-नईदिल्ली वंदे भारत, बनारस-नई दिल्ली, प्रयागराज-नई दिल्ली समेत 25 से अधिक ट्रेन 3-5 घंटे देरी से अपने-अपने गंतव्य तक पहुंची। इसी तरह भुवनेश्वर राजधानी, पटना राजधानी, डिब्रूगढ़ राजधानी, लखनऊ तेजस, सप्तक्रांति, सत्याग्रह, हमसफर, दुरंतो समेत 100 से अधिक ट्रेन घंटों देरी से संचालित हुई।

इनसाइड

सर्दियों में महिलाएं इन एसेसरीज से पाएं गजब का लुक, हर कोई करेगा तारीफ

सर्दियों के मौसम में बेस्ट लुक पाना कई लोगों के लिए मुश्किल टास्क साबित होता है. लेटेस्ट ड्रेसिंग सेंस फॉलो करने से लेकर ट्रेंडी विंटर वियर कैरी करने के बाद भी कुछ लोगों का लुक नॉर्मल नजर आता है. सर्दियों में सुंदर और आकर्षक दिखने के लिए ज्यादातर लोगों का फोकस ड्रेस और मेकअप पर होता है. ट्रेंडी और डिफरेंट लुक पाने के लिए बेस्ट ड्रेस के साथ परफेक्ट मेकअप लुक कैरी करना काफी नहीं होता है. आपको बताने जा रहे हैं विंटर की कुछ कॉमन एसेसरीज, जिन्हें ट्राई करके आप अपने लुक को चुटकियों में एन्हान्स कर सकती हैं.

बैरेट कैप पहनें

सर्दियों में स्टाइलिश ड्रेस के साथ बैरेट कैप पहनकर आप डिफरेंट और ट्रेंडी लुक हासिल कर सकती हैं. वहीं सर्दियों के दौरान बैरेट कैप मार्केट में आसानी से उपलब्ध रहते हैं. ऐसे में जींस, पैंट और स्कर्ट के साथ बैरेट कैप लगाकर अपने आउटफिट को फ्रेंच लुक दे सकती हैं.

ईयर मफ ट्राई करें

सर्दियों में कानों को ठंड से बचाने के लिए महिलाएं अक्सर स्कार्फ और मफलर का इस्तेमाल करती हैं. मगर सर्दी में ईयर मफ से कानों को कवर करना भी आपके लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकता है. इससे न सिर्फ आप कानों को ठंड से बचा सकती हैं बल्कि अपने लुक को भी स्टाइलिश बना सकती हैं. वहीं डिफरेंट लुक पाने के लिए आप मार्केट से कलरफुल और बेस्ट डिजाइन वाले ईयर मफ का चुनाव कर सकती हैं.

बेस्ट होगा बूट्स का चुनाव

सर्दी के मौसम में महिलाएं अमूमन शूज पहनना पसंद करती हैं. हालांकि अगर आप चाहें तो सर्दियों मे बूट्स ट्राई करके भी अपने लुक को एन्हॉन्स कर सकती हैं. खासकर सर्दियों में लेदर के बूट्स आपकी ब्यूटी में चार चांद लगाने का काम करते हैं. वहीं बूट्स में असहज महसूस करने पर फ्लीस बूट्स कैरी करना भी आपके लिए अच्छा ऑप्शन हो सकता है.

स्कार्फ कैरी करें

सर्दियों में स्कॉर्फ का इस्तेमाल भी महिलाओं के लिए बेस्ट हो सकता है. सर्दियों में हर ड्रेस के साथ सिंपल, सोवर, और प्रंटेड वुलन स्कार्फ कैरी करके आप न सिर्फ ठंड से खुद का बचाव कर सकती हैं बल्कि फैशनेबल और ट्रेंडी लुक भी आसानी से हासिल कर सकती हैं.

महिलाएं विंटर ब्ल्यू से इस तरह खुद को उबारें, निराशा और उदासी से मिलेगी निजात

विंटर के मौसम में उदासी, निराशा और डिप्रेशन की शिकायत काफी महिलाओं को परेशान करती है. खासतौर पर अगर वे हाउस वाइफ या उम्रदराज महिला हैं तो विंटर ब्लूज़ के कई लक्षण उन्हें घर पर उदास महसूस कराते हैं. एवरीडेहेल्ड के मुताबिक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के विशेषज्ञ यह मानते रहे हैं कि विंटर ब्लूज़ काफी कॉमन समस्या है जिसमें सामान्य से अधिक उदासी, कम ऊर्जावान या किसी भी चीज में मन ना लगने जैसे लक्षण दिखते हैं. शिकागो में नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी फीनबर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन में मनोचिकित्सा और व्यवहार विज्ञान के प्रोफेसर जैकलिन गोलन का कहना है यह एक संकेत है कि जो बताता है कि उन्हें अब जीवन में खुद पर कुछ ध्यान देने की जरूरत है और इसे आप इग्नोर नहीं कर सकते हैं.

शुरू करना है खुद का बिजनेस, इन 8 ज़रूरी बातों को रखें याद

यदि आप अपना खुद का कोई बिजनेस शुरू करना चाहती हैं तो सबसे पहले अपने टार्गेट ऑडियंस को ध्यान में रखना होगा. साथ ही शुरुआत में पैसों के इन्वेस्टमेंट, मार्केटिंग आदि पर भी ध्यान देना होगा, तभी आप एक सक्सेफुल बिजनेस वूमने बन सकेंगी.

आज महिलाएं अपना नाम हर फील्ड में बना रही हैं. कुछ ऑफिस में काम करती हैं, तो कुछ अपना बिजनेस कर रही हैं और उसमें सफलता हासिल कर रही हैं. अक्सर कुछ महिलाएं शादी इसलिए भी देर से करती हैं कि वे एक कामयाब वर्किंग वूमन बन जाएं. कुछ महिलाएं ऐसी भी होती हैं, जो शादी के बाद घर चलाने के साथ ही कुछ काम भी करना चाहती हैं. खुद का बिजनेस करना चाहती हैं. यदि आपकी भी शादी हो गई है और आपका कुछ सपना था बनने का, किसी तरह का बिजनेस करने का तो अब भी देर नहीं हुआ है. आप अपना खुद का बिजनेस शुरू कर सकती हैं. यदि आप ऑफिस जाकर 9 घंटे की शिफ्ट नहीं करना चाहती हैं तो आप घर से कोई काम कर सकती हैं. हालांकि, कोई भी बिजनेस शुरू करने से पहले आपको कुछ जरूरी बातों का ध्यान भी रखना होगा, ताकि आप अपने बिजनेस को बढ़ाने में सफल हो सकें.

कौन-कौस सा बिजनेस कर सकती हैं

आप यदि अपना बिजनेस करना चाहती हैं तो आप वही काम करें जिसमें आपने पढ़ाई की या कोई डिग्री ली हो. कई बार शादी हो जाने के बाद महिलाएं आगे पढ़ाई या करियर नहीं बना पाती हैं. ऐसे में महिलाओं के लिए अपना फैशन बुटीक खोलना, सिलाई-कढ़ाई का काम करना, इंटीरियर डिजाइनिंग, टिफिन सर्विस, होम ट्यूशन, एफिलिएट मार्केटिंग, डांस क्लास, रेडीमेड गार्मेंट बेचना, खुद का ब्यूटी पार्लर खोलना, केक मेकिंग बिजनेस, पैकिंग बिजनेस, अचार या पापड़ बनाने का काम आदि कई ऐसे काम हैं, जो आप घर बैठे कर सकती हैं और बेहतर कमाई कर सकती हैं.

बिजनेस की शुरुआत करने से पहले रखें इन 8 बातों का ध्यान

-बिजनेस चाहे छोटा हो या बड़ा, इसमें सफलता पाना आसान नहीं. यह एक दिन का काम नहीं कि आज बिजनेस की शुरुआत की और कल से ही कमाई होने लगे. इसके लिए आपको धैर्य, लगन, मेहनत, हिम्मत और समझदारी से काम लेना होगा.

यदि आप अपनी मन-पसंद का कोई भी बिजनेस करना चाहती हैं तो पहले किसी सफल बिजनेस वूमेन के बारे में पढ़ें, जानें कि उन्होंने किस प्लानिंग के तहत इसकी शुरुआत की थी.

-यदि आपकी कोई दोस्त या घर-परिवार में किसी ने भी अपना बिजनेस शुरू किया है तो उससे पहले बात करें. यह जानने की कोशिश करें कि आज की डेट में किस काम में हाथ लगाना आपके लिए मुनाफे का सौदा साबित हो सकता है. कई बार अपना बिजनेश शुरू तो लोग कर देते हैं, लेकिन उसे लंबे समय तक बरकरार रख पाना काफी चुनौती भरा काम होता है.

-किसी भी बिजनेस को शुरू करने से पहले रिसर्च करना जरूरी है. यदि आप बिना रिसर्च किए कुछ भी काम शुरू करती हैं तो सफल होने की संभावना कम हो जाती है. जल्दबाजी में कोई काम ना करें शुरू. रिसर्च करने से जान पाएंगी कि आप अपने प्रोडक्ट, काम को मार्केट में कितने समय के लिए एक्टिव रख सकेंगी.

-किसी भी बिजनेस को शुरू करने के लिए लोकेशन या स्थान भी मायने रखता है. यदि आप लोगों की पहुंच से दूर अपना ऑफिस सेटअप करती हैं या बिजनेस की शुरुआत करती हैं तो आप अपने टार्गेट कस्टमर की संख्या को बढ़ाने में नाकामयाब हो सकती हैं. बिजनेस के लिए ऐसा लोकेशन चुनें, जहां ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ती रहे.

-किसी भी काम को शुरू करने से पहले पूंजी बेहद मायने रखती है. व्यवसाय को शुरू करने के लिए आप कहां से कैपिटल को मैनेज करेंगी, इस पर सबसे पहले बात-विचार करें. यदि आप लोन लेंगी तो इसके लिए भी किसी एक्सपर्ट से राय जरूर ले लें. आप कब, किस तरह से लोन के पैसे चुकाएंगी इसकी प्लानिंग बेहद जरूरी है.

-यदि आप खुद की सेविंग्स से बिजनेस की शुरुआत करने वाली हैं तो पहले बिजनेस के नेचर को समझें. शुरुआत में बहुत ज्यादा पैसा लगा देना समझदारी नहीं होगी. इससे आपका व्यवसाय सफल हो जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं. ऐसे में सोच-समझकर ही चीजों पर इनवेस्ट करें. स्टेप बाई स्टेप पैसे खर्च करें. एक्सपर्ट की राय लेना भी जरूरी है.

-आप हाउस वाइफ हैं और अपना काम शुरू कर रही हैं तो इसके लिए आपको बिजनेस में अपना समय भी देना होगा. खासकर, शुरुआत के एक साल आपके लिए चुनौतियों भरा हो सकता है. इसके लिए बिना धैर्य खोए अपनी सारी ऊर्जा लगाते हुए टाइम मैनेज करना भी आना होगा, ताकि आप घर और अपने काम को सही तरीके से संभाल सकें.

-व्यवसाय को सफल बनाने के लिए आपकी मार्केटिंग भी जबरदस्त होनी चाहिए. इसके लिए कुछ पैसा मार्केटिंग पर भी आपको खर्च करना पड़ सकता है. आप जितना शुरुआत में अपने बिजनेस की मार्केटिंग करेंगी, लोगों तक यह उतना ही पहुंचेगा. किसी भी काम को प्रमोट या मार्केटिंग किए बिना उसे आज के दौर में सफल बनाना थोड़ा मुश्किल काम हो सकता है. आप जो काम शुरू करने जा रही हैं, वो काम पहले से ही यदि दस लोग कर रहे हैं तो आपको खुद को सफल बनाने के लिए जबरदस्त मार्केटिंग, प्रमोशन, टेक्निकल स्किल, इन्वेस्टमेंट स्किल, पेशेंस, लगन, मेहनत आदि की बेहद जरूरत पड़ेगी. तभी आप बन सकती हैं एक सफल बिजनेस वूमन.

महिलाएं इन तरीकों से बढ़ाएं अपना सेल्फ कॉन्फिडेंस, नेगेटिविटी को ऐसे करें दूर

कहावत है कि अगर आपको खुद पर भरोसा है तो समझिए आपने आधा युद्ध पहले ही जीत लिया है. जी हां, इस बात में कोई शक नहीं है कि अगर आप अपने अंदर की ताकत को पहचानती हैं और हर हालात में खुद पर भरोसा रखती हैं तो आपकी ये ताकत हर काम को आसान बना देने का सबसे बड़ा हथियार साबित हो सकता है. ये आत्मविश्वास ही है कि आप हर वक्त सीखने के लिए तैयार रहती हैं और गलतियों से डरने की बजाय, सीख लेना पसंद करती हैं. ऐसे में अगर आप महसूस कर रही हैं कि आपके अंदर का आत्मविश्वास कहीं गायब हो गया है और आप खुद के प्रति सकारात्मक महसूस नहीं कर पाती हैं तो हम आपकी मदद कर सकते हैं.

महिलाएं इस तरह बढ़ाएं अपना आत्मविश्वास

गलतियों से सीख लें- इंसान होने के नाते गलतियां करना आपका अधिकार है. हर इंसान गलतियों से ही सीखता है. ऐसे में अगर आप गलतियों से डरती हैं तो इस डर को अपने बाहर निकाल फेंकिए. क्योंकि आप इंसान हैं, भगवान नहीं.

नकारात्मक विचारों को रोकें- अगर आप किसी बात को लेकर परेशान हैं या कुछ नकारात्मक बातें आपको परेशान कर रही हैं तो खुद को ऐसा करने से तुरंत रोकें. यह सोचें कि आपकी सोच ही आपको और आपके आत्मविश्वास को बढ़ाती या कम करती है. खुद को सकारात्मक सोच के लिए हमेशा मोटिवेट करें.

ना कहने से डर कैसा- कई महिलाओं को ना करने में दिक्कत होती है. ऐसे में वे ऐसे काम भी करने लगती हैं जिसे वे बिलकुल करना पसंद नहीं करतीं. आपको बता दें कि ना कहने का मतलब किसी का अपमान करना नहीं होता, और ना ही इंप्रेशन बनाने के लिए ना कहना जरूरी होता है.

कभी कभी 'स्टॉप' कहना जरूरी- अगर कोई आपके सामने लगातार आपको यह बोल रहा है कि आप कितनी बुरी दिखती हैं, या आपको परफॉर्मेंस बहुत ही खराब है या तुम कुछ नहीं कर सकती आदि, तो उन्हें स्टॉप करना सीखें. अगर बोलने में असुविधा है तो आप ऐसी बातों पर हंस दें और ऐसी बातों को सकारात्मक रूप में लेते हुए खुद को बेहतर बनाने का बहाना बनाएं.

खुद को स्वीकारें- आप जैसी हैं अच्छी हैं. इस बात को खुद से बोलें. आप मोटी हैं, पतली हैं या दिखने में बेहद खूबसूरत नहीं हैं. ये बातें आपकी पूर्णता को नहीं बताते. आप जो हैं वो अपने काम से हैं, अपने बातचीत के तरीके से हैं, अपने व्यवहार और अपने आत्मविश्वास से हैं. खुद को खुद की तरह स्वीकारें और सकारात्मक रहें.

ऑफिस के बाद करनी है पार्टी, वर्किंग वूमन पर्स में रखें 6 मेकअप प्रोडक्ट

कई बार ऑफिस के बाद महिलाओं को पार्टी में जाना पड़ता है. लेकिन घर जाकर तैयार होने का समय नहीं मिल पाता है. ऐसे में वर्किंग वूमन के लिए कुछ एसेंशियल मेकअप प्रोडक्ट्स को अपने हैंड बैग में कैरी करना बहुत जरूरी हो जाता है.

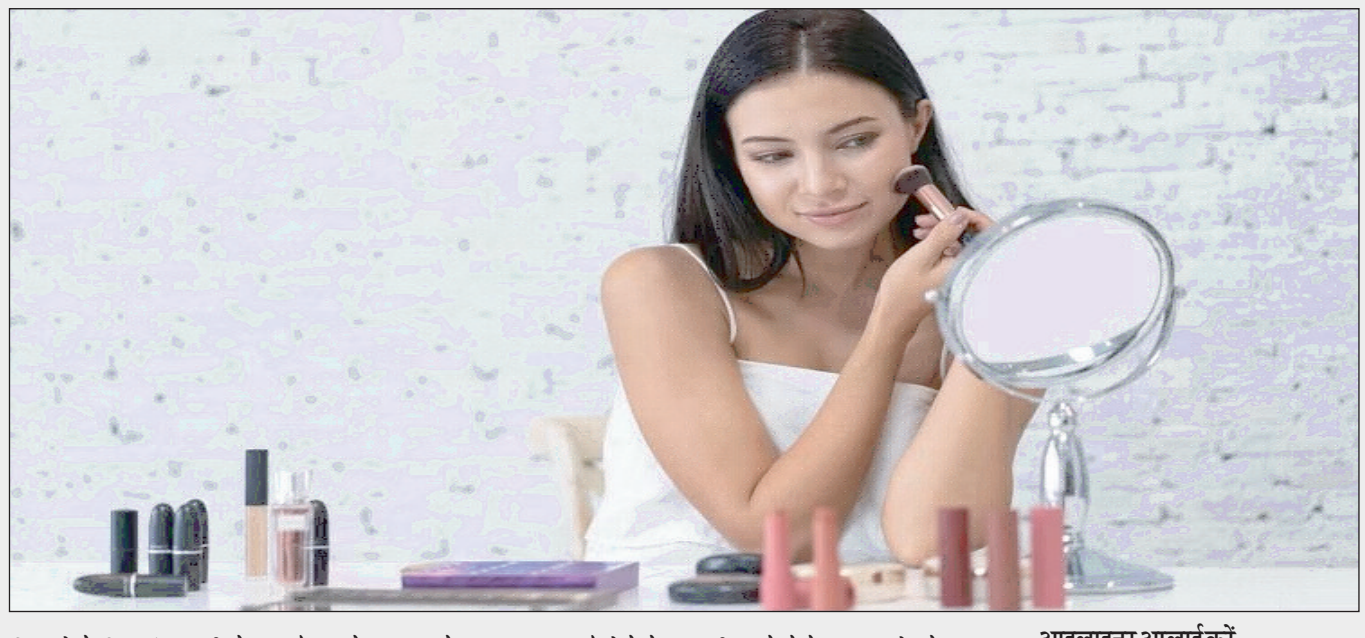

ऑफिस गोइंग वूमन आमतौर पर प्रोफेशनल आउटफिट कैरी करना पसंद करती हैं. वहीं ऑफिस जाते समय ज्यादातर महिलाएं लाइट मेकअप (Makeup tips) को तवज्जो देती नजर आती हैं. हालांकि ऑफिस के बाद महिलाओं को कई बार पार्टी में भी जाना पड़ सकता है. ऐसे में वर्किंग वूमन अपने पर्स में 6 मेकअप एसेंशियल कैरी करके पार्टी के लिए मिनटों में परफेक्ट लुक हासिल कर सकती हैं.

कई बार महिलाओं को ऑफिस के बाद घर जाने का समय नहीं मिल पाता है. जिसके चलते वर्किंग वूमन को प्रोफेशनल मेकअप लुक के साथ ही पार्टी में जाना पड़ता है. वहीं पूरी मेकअप किट को ऑफिस ले जाना भी महिलाओं के लिए संभव नहीं हो पाता है. इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं कुछ एसेंशियल मेकअप प्रोडक्ट्स के नाम, जिन्हें अपने हैंड बैग में कैरी करके आप आसानी से पार्टी के लिए रेडी हो सकती हैं.

फाउंडेशन का इस्तेमाल करें

फाउंडेशन का इस्तेमाल मेकअप को बेस प्रोवाइड करने का काम करता है. ऐसे में सबसे पहले फेस वॉश करके चेहरे को टिशू पेपर से पोंछ लें. अब फेस पर फाउंडेशन अप्लाई करें. वहीं अपनी स्किन टाइप के अनुसार फाउंडेशन का चुनाव करना बेस्ट रहता है.

कंसीलर की मदद लें

कंसीलर चेहरे के दाग-धब्बों को छुपाकर मेकअप को फिनिशिंग लुक देने में मददगार होता है. ऐसे में कंसीलर को ट्राइंगल शेप में लगाते हुए हल्का-हल्का फैलाएं. इसके बाद चेहरे पर ट्रांसलूसेंट पाउडर अप्लाई करें. इससे आपका चेहरा ग्लोइंग नजर आएगा.

आइलाइनर अप्लाई करें

बेस्ट मेकअप लुक कैरी करने के लिए आई मेकअप पर ध्यान देना भी जरूरी होता है. ऐसे में आंखों पर आइलाइनर लगाने के लिए व्हाइट पेंसिल का इस्तेमाल करना भी अच्छा ऑप्शन होता है. साथ ही आंखों की वॉटर लाइन पर आइलाइनर लगाकर आप आसानी से अपने लुक को एन्हॉन्स कर सकती हैं.

काजल लगाएं

काजल को आई मेकअप का एसेंशियल पार्ट माना जाता है. वहीं काजल का इस्तेमाल आंखों को हाइलाइट करने के साथ-साथ चेहरे की सुंदरता निखारने में भी मददगार होता है. ऐसे में आइलाइनर लगाने के बाद आंखों पर काजल लगाना न भूलें.

फेस पाउडर से दें टचअप

फेस पाउडर का इस्तेमाल करके आप मेकअप को फाइनल टचअप दे सकती हैं. ऐसे में स्किन टोन के अनुसार फेस पाउडर के शेड्स का चुनाव करें. इससे आपका चेहरा निखरा और चमकदार दिखने लगेगा.

लिपस्टिक यूज करें

कंप्लीट मेंकअप लुक कैरी करने के लिए लास्ट में लिपस्टिक लगाना न भूलें. इसके लिए होंठो पर लिपस्टिक लगाएं. अब दोनों लिप्स के बीच में टिशु पेपर लगाकर होंठो को आपस में प्रेस करें. इसके बाद होंठो पर दोबारा लिपस्टिक अप्लाई करें. इससे आपका लिप कलर लॉन्ग लास्टिंग बना रहेगा.

एनसीआर से बाहर वालों के पास भी अधिकार, उन्हें भी प्रदूषण से मुक्त रहना है- सुप्रीम कोर्ट

परिवहन विशेष न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एनसीआर के अलावा देश के अन्य हिस्सों में रहने वाले नागरिकों को भी प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने का मौलिक अधिकार है जिसकी गारंटी संविधान के अनुच्छेद 21 में दी गई है। जस्टिस अभय एस. ओका और पंकज मित्तल की पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (NGT) का यह कहना पूरी तरह से अनुचित है।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एनसीआर के अलावा देश के अन्य हिस्सों में रहने वाले नागरिकों को भी प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने का मौलिक अधिकार है, जिसकी गारंटी संविधान के अनुच्छेद 21 में दी गई है। जस्टिस अभय एस. ओका और पंकज मित्तल की पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (NGT) का यह कहना पूरी तरह से अनुचित है कि एनसीआर में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए डीजल वाहनों को दिल्ली के आसपास किसी अन्य आईसीडी (इनलैंड कंटेनर डिपो) की तरफ मोड़ दिया जाए।

पीठ ने कहा कि एनसीआर के लोगों के मौलिक अधिकार की रक्षा करते हुए एनजीटी बाहर रहने वाले नागरिकों के उसी अधिकार के उल्लंघन की अनुमति नहीं दे सकता है। अपने आदेश में एनजीटी ने कहा था कि तुगलकाबाद डिपो में डीजल वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने का एक विकल्प है।

इन वाहनों को दादरी, रेवाड़ी, बल्लभगढ़, खटुआवास या दिल्ली के आसपास किसी अन्य डिपो की तरफ मोड़ दिया जाए, ताकि एनसीआर में प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा, एनजीटी की यह टिप्पणी इस तथ्य की पूरी तरह से अनदेखी है कि एनसीआर के अलावा देश के अन्य हिस्सों में रहने वाले नागरिकों को भी प्रदूषण मुक्त वातावरण का मौलिक अधिकार है, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा गारंटी दी गई है।

ऐसा मौलिक अधिकार सभी के लिए समान रूप से लागू है और यह एनसीआर के लोगों तक ही सीमित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को भी कई निर्देश जारी किए और सरकार से भारी शुल्क वाले डीजल वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने और उनकी जगह बीएस-6 वाहनों को लाने की नीति बनाने को कहा।

राम मंदिर: घर बैठे प्रसाद मंगा रहे हैं तो हो जाएं सावधान... ऑनलाइन पर जमकर चल रहा फर्जीवाड़ा, VHP ने की कार्रवाई की मांग

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए बात चाहे निधि समर्पण अभियान की हो या प्राण प्रतिष्ठा अवसर के लिए आमंत्रण की इन दोनों मामलों में फर्जीवाड़ा सामने आया है। अब नया फर्जीवाड़ा राम मंदिर के प्रसाद को लेकर सामने आया है। एक वेबसाइट द्वारा 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक अवसर का प्रसाद देने का दावा किया जा रहा है।

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए बात चाहे निधि समर्पण अभियान की हो या प्राण प्रतिष्ठा अवसर के लिए आमंत्रण की, इन दोनों मामलों में फर्जीवाड़ा सामने आया है। अब नया फर्जीवाड़ा राम मंदिर के प्रसाद को लेकर सामने आया है। एक वेबसाइट द्वारा 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक अवसर का प्रसाद देने का दावा किया जा रहा है। उसमें भी यह कि वेबसाइट का नाम खादी के नाम पर है। ऐसे में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा उस वेबसाइट के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने का निर्णय लिया गया है।

फर्जी निकली वेबसाइट

इस संबंध में केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि उन्होंने उक्त वेबसाइट की सत्यता की जांच कराई है। यह वेबसाइट फर्जी है क्योंकि यह खादी के नाम का उपयोग कर रहा है, जबकि उसका केवीआईसी से कोई जुड़ाव नहीं है। ऐसे में वह खादी नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकता है।

बड़ी संख्या में रामभक्तों ने कराई बुकिंग

खादी आर्गेनिक नाम की वेबसाइट से 22 जनवरी को प्रथम दिन के प्रसाद को घर तक पहुंचाने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, प्रसाद निश्शुल्क है, जबकि पहुंचाने के लिए बुकिंग पेमेंट तुरंत करने पर 50 रुपये तथा प्रसाद को घर पहुंचाकर पैसे लेने की स्थिति में 100 रुपये मांगे जा रहे हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में राम भक्तों ने इसपर बुकिंग भी करा ली है।

कंपनी का पता नोएडा का

कंपनी की वेबसाइट पर पता नोएडा का है, जबकि जो नंबर दिए गए हैं। उसमें से कई बंद और कुछ व्यस्त मिले, जिससे बात नहीं हो पाई है।

क्या कहा वीएचपी ने ?

विहिप (विश्व हिंदू परिषण) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने इस वेबसाइट पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस तरह से प्रसाद वितरण के लिए ट्रस्ट ने किसी को भी अधिकृत नहीं किया है। उन्होंने संदेह जताते हुए कहा कि भगवान श्रीराम के प्रसाद और खादी दोनों को बदनाम करने का कुत्सित प्रयास तो नहीं है।

लोगों को सतर्क रहने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से कोई अधिकाधिक सूचना न आए। तब तक इस तरह मिथ्या विज्ञापन पर भ्रमित होकर पैसे और सुरक्षा पर दाव न लगाए। इस मामले में उन्होंने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

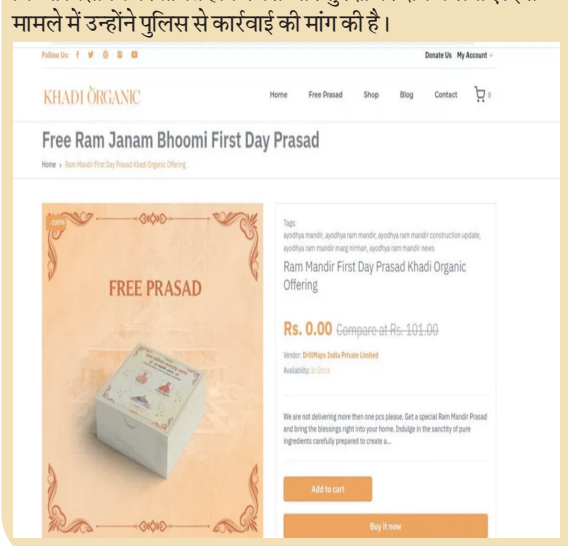

निर्भया की सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या के सनसनीखेज/वीभत्स मामले में तफ्तीश को पहुंचाने वाली 'लेडी सिंघम' तब साऊथ दिल्ली की डीसीपी छाया शर्मा ने बेहद बारीकी के साथ अंजाम तक पहुंचाया था

निर्भया के दरिंदो को फांसी दिलाने वाली "छाया शर्मा ' को बडा इनाम

परिवहन विशेष न्यूज एसडी सेठी।

नई दिल्ली। साल 2012 में हुए निर्भया कांड के दोषियों को 2020 में दिल्ली की तिहाड जेल में लटकाया गया था। निर्भया की सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या के सनसनीखेज/वीभत्स मामले में तफ्तीश को पहुंचाने वाली 'लेडी सिंघम' तब साऊथ दिल्ली की डीसीपी छाया शर्मा ने बेहद बारीकी के साथ अंजाम तक पहुंचाया था। हाल ही में दिल्ली पुलिस के ट्रांसफर-पोस्टिंग की नई लिस्ट के मुताबिक छाया शर्मा को बडी जिम्मेदारी देते हुए उन्हें स्पेशल सीपी ट्रेनिंग की मौजूदा जिम्मेदारी के साथ-साथ स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर वूमेन एंड चाईल्ड का कार्यभार भी दे दिया है ।यानि वह एक साथ दो विभाग संभालेगीं।

बता दें कि नई ट्रांसफर पोस्टिंग में डीसीपी से लेकर स्पेशल सीपी स्तर के 27 अफसरों के ट्रांसफर किए गए है। 1990 बैच के दीपेन्द्र पाठक को स्पेशल सीपी लॉ एंड आर्डर से सिक्योरिटीज विभाग में भेज दिया है ।वही आतंकवाद से जुडे मामलों की जांच के लिए बने स्पेशल सेल की जिम्मेदारी 1991 बेच के स्पेशल सीपी राजेंद्र पॉल उपाध्याय को सौंपा गया है। 1995 बैच रवींद्र यादव को स्पेशल सीपी लॉ एंड आर्डर जोन-1,और मधुर तिवारी को स्पेशल सीपी लॉ एंड आर्डर जोन-2, की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शालिनी सिंह को स्पेशल सीपी क्राइम ब्रांच और सुरेंद्र सिंह यादव को आर्थिक अपराध शाखा का स्पेशल सीपी बनाया गया है ।इसके अलावा तमाम डीसीपी भी अब बदल दिए गए हैं। अपूर्व गुप्ता को ईस्ट दिल्ली का डीसीपी बनाया गया है ।सुरेंद्र चौधरी को शाहदरा जिले, अंकित सिंह को द्वारका, एम हर्षवर्धन को मध्य जिला ,देवेन्द्र कुमार को डीसीपी आईजीआई एयरपोर्ट और रोहित मीणा को साऊथ वेस्ट जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बता दें कि नई ट्रांसफर पोस्टिंग में डीसीपी से लेकर स्पेशल सीपी स्तर के 27 अफसरों के ट्रांसफर किए गए है। 1990 बैच के दीपेन्द्र पाठक को स्पेशल सीपी लॉ एंड आर्डर से सिक्योरिटीज विभाग में भेज दिया है।

ड्राइवर के साथ पी चाय... फिर बस में सीट पर जाकर बैठा और इस तरह चली गई कंडक्टर की जान; सब रह गए हक्के-बक्के

पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके में संदिग्ध परिस्थिति में चलती बस के अंदर एक कंडक्टर की मौत हो गई। कंडक्टर ड्राइवर के साथ चाय पी फिर बस में बैठ गया। इसके बाद चलती बस में उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान गांधी नगर निवासी विनोद के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल पहुंचा दिया है।

पूर्वी दिल्ली। कृष्णा नगर इलाके में संदिग्ध परिस्थिति में चलती बस के अंदर एक कंडक्टर की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांधी नगर निवासी विनोद के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल पहुंचा दिया है। आगे जांच चल रही है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त रोहित मीना ने बताया कि शनिवार सुबह 11 बजे कृष्णा नगर चौक के पास एक मिनी बस के कंडक्टर की मौत की सूचना मिली। कैलाश नगर निवासी शिकायतकर्ता अवधेश कुमार ने बताया कि वह कृष्णा नगर से फव्वारा के बीच चलने वाली मिनी बस के चालक हैं। सुबह करीब 11 बजे उन्होंने बस के कंडक्टर विनोद के साथ लाजपत राय चौक पर चाय पी। उसके बाद वह दोनों बस में चढ़ गए और कंडक्टर अपनी सीट पर बैठ गए। जब वह काफी देर तक कुछ बोले नहीं, तब चालक बस रोककर उन्हें देखा तो वह बेहोश मिले। इसके बाद उन्हें बेहोशी की हालत में जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मृतक के बारे में जानकारी निकाली जा रही है।

पत्रकार सौम्या विश्वनाथन व जिगिशा घोष हत्याकांड में दोषी को पैरोल देने से दिल्ली हाईकोर्ट का इनकार

दिल्ली हाईकोर्ट ने पत्रकार सौम्या विश्वनाथन व आइटी एक्जीक्यूटिव जिगिशा घोष की हत्या और कई अन्य मामलों में दोषी रवि कपूर को पैरोल देने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कपूर के आपराधिक इतिहास उसके द्वारा किए गए अपराध की गंभीरता और जेल परिसर के अंदर उसके समग्र आचरण को ध्यान में रखते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी।

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पत्रकार सौम्या विश्वनाथन व आईटी एक्जीक्यूटिव जिगिशा घोष की हत्या और कई अन्य मामलों में दोषी रवि कपूर को पैरोल देने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कपूर के आपराधिक इतिहास, उसके द्वारा किए गए अपराध की गंभीरता और जेल परिसर के अंदर उसके समग्र आचरण को ध्यान में रखते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी।

आजीवन कारावास काट रवि कपूर ने अपने परिवार के साथ सामाजिक संबंध बनाए रखने और घुटने की सर्जरी कराने के आधार पर चार सप्ताह की पैरोल की मांग करते हुए याचिका दायर की थी।

कपूर की याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पैरोल पर रिहा होने वाले दोषियों के अधिकारों का सम्मान करने की आवश्यकता पर जोर दिया है, लेकिन अदालतें दिए गए तथ्यों और परिस्थितियों में ऐसे मामलों का फैसला करते समय प्रतिसंतुलित सार्वजनिक हित पर विचार करने के लिए भी बाध्य हैं।

पीठ ने कहा कि कपूर की ओर से घुटने की सर्जरी कराने के समर्थन में न तो कोई दस्तावेज या सामग्री रिकार्ड पर रखी गई थी, न ही इस संबंध में किसी तर्क को संबोधित किया गया था।

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता एक आदतन अपराधी है, जो वर्ष 2002 से 2010 की अवधि के बीच लगभग 20 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है और उसे हत्या और डकैती जैसे अपराधों से जुड़े दो मामलों में दोषी ठहराया गया है। जेल के अंदर उनका आचरण पिछले कुछ वर्षों से संतोषजनक रहा है, लेकिन उन्हें 41 बड़ी सजाएं दिए जाने के कारण जेल का समग्र आचरण असंतोषजनक रहा है।

न्यायमूर्ति शर्मा ने स्पष्ट किया कि यह टिप्पणियां सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष कपूर द्वारा दायर पैरोल या फर्लो की मांग करने वाले किसी भी भविष्य के आवेदन के नतीजे को प्रभावित नहीं करेंगी।

रसीला स्विमिंग के अन्वेषा को तालकटोरा स्टेडियम ले जाते हैं। यहां इसकी कोई सुविधा ही नहीं है

दिल्ली खेल विद्यालय में सुविधाओं का अभाव, अभिभावक कटवा रहे बच्चों का नाम; जानें क्या कह रहे

देश के बच्चों को ओलिंपियन बनाने का सपना दिखाने वाले दिल्ली खेल विद्यालय (डीएसएस) में सुविधाओं के अभाव के कारण बच्चे और अभिभावकों में नाराजगी है। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चे की तबीयत खराब होने या चोटिल होने पर उसे बेहतर इलाज नहीं दिया जाता है। सभी खिलाड़ियों को समान आहार दिया जाता है जबकि खेल और खिलाड़ी के मुताबिक उसका आहार अलग होना चाहिए।

नई दिल्ली। देश के बच्चों को ओलिंपियन बनाने का सपना दिखाने वाले दिल्ली खेल विद्यालय (डीएसएस) में सुविधाओं के अभाव के कारण बच्चे और अभिभावकों में नाराजगी है। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चे की तबीयत खराब होने या चोटिल होने पर उसे बेहतर इलाज नहीं दिया जाता है।

सभी खिलाड़ियों को समान आहार दिया जाता है, जबकि खेल और खिलाड़ी के मुताबिक उसका आहार अलग होना चाहिए। आधी सर्दियां बीतने के बावजूद उनके बच्चे ठंडे पानी से नहाने को मजबूर हैं। विद्यालय उनके बच्चों को अभिभावकों से बात करने से भी रोकता है।

नंद नगरी की दीपिका ने बताया कि विद्यालय में बच्चों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, जिसका प्रभाव उनके प्रदर्शन पर पड़ता है। स्थिति यह हो चुकी है कि खेल उपकरणों, चिकित्सा सुविधाओं, आहार, गर्म पानी सहित अन्य सुविधाओं की कमी से नाखुश होकर अभिभावक अपने बच्चों का स्कूल से नाम कटवा रहे हैं। अभिभावकों ने आरोप लगाया है कि यदि वे अपने बच्चों को यहां से निकालना चाहते हैं तो विद्यालय दाखिले से लेकर अंतिम दिन तक प्रतिदिन के हिसाब से फीस की मांग करता है।

बच्चे काफी परेशानियों से जूझ रहे

शामनाथ मार्ग स्थित दिल्ली खेल विद्यालय की शुरुआत पिछले वर्ष अगस्त महीने में हुई थी। इसमें देशभर से छठी से नौवीं कक्षा तक के बच्चों का दाखिला लिया गया था। इसका उद्देश्य निःशुल्क तौर पर बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ उच्च स्तर का खिलाड़ी बनाना है। वर्तमान में विद्यालय में 180 बच्चे हैं। शुक्रवार को पीटीएम में पहुंचे अभिभावकों ने दैनिक जागरण को बताया कि उनके बच्चे काफी परेशानियों से जूझ रहे हैं।

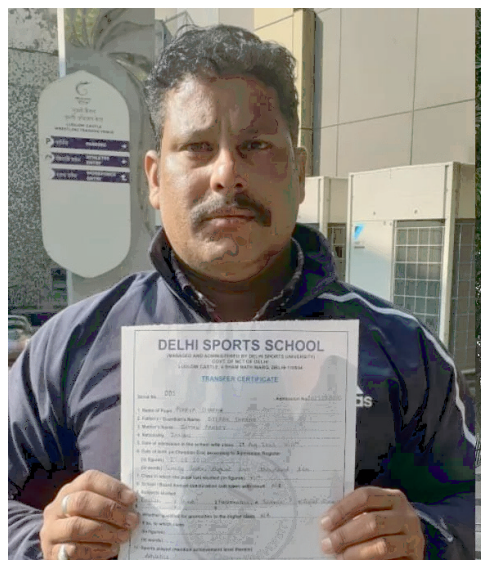

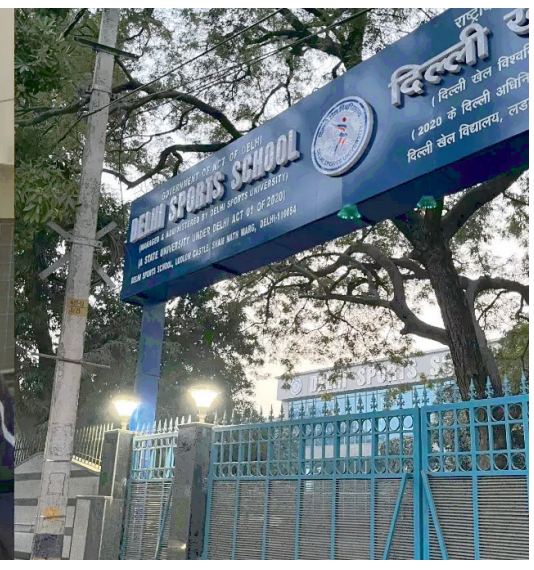

बच्चों को स्विमिंग के लिए ले जा रहे तालकटोरा

दाखिले के समय स्कूल की ओर से ओलिंपिक स्तर का खिलाड़ी बनाने का सपना दिखाया गया था। लेकिन वर्तमान स्थिति के मुताबिक बच्चों का जिला स्तर पर पदक जीतना भी मुश्किल हो जाएगा। सूरत निवासी रसीला ने बताया कि उनकी बेटी अन्वेषा छठी कक्षा में हैं और स्विमिंग सीखती हैं। स्विमिंग के अभ्यास के लिए तालकटोरा स्टेडियम ले जाते हैं। यहां सुविधा ही नहीं है।

मेरी बच्ची पूर्वा शर्मा को अक्टूबर में पैर में फ्रैक्चर हो गया था। लेकिन विद्यालय की ओर से कोई इलाज नहीं मिला। वह एथलेटिक्स में राजस्थान जिले में स्वर्ण पदक विजेता रही है। सुविधाओं के अभाव की शिकायत करने का नतीजा यह रहा कि स्कूल ने मुझे टीसी थमा दी है। इस समय किसी अन्य विद्यालय में दाखिला मिलना मुश्किल होगा। मेरी बच्ची का पूरा साल बर्बाद हो चुका है। यदि मेरी शिकायत का कोई असर नहीं हुआ तो मैं स्कूल के खिलाफ केस दर्ज कराऊंगा। - दीपक शर्मा, भरतपुर (राजस्थान)

मेरा दस वर्षीय बेटा जिहान कुश्ती सीखता है। यहां पर कुश्ती के लिए मैट भी नहीं है। अभ्यास के लिए बच्चों को चंदगी राम अखाड़ा ले जाया जाता है। जिहान ने बताया कि आहार में पर्याप्त भोजन नहीं मिलता है। प्रोटीन की चीजें काफी कम मिलती हैं। - विकास, रोहतक

शामनाथ मार्ग स्थित दिल्ली खेल विद्यालय की शुरुआत पिछले वर्ष अगस्त महीने में हुई थी। इसमें देशभर से छठी से नौवीं कक्षा तक के बच्चों का दाखिला लिया गया था। इसका उद्देश्य नि :शुल्क तौर पर बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ उच्च स्तर का खिलाड़ी बनाना है। वर्तमान में विद्यालय में 180 बच्चे हैं।

नोएडा-गाजियाबाद में 22 जनवरी को रहेगा सार्वजनिक अवकाश, जानिए क्या-क्या रहेंगा बंद

22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ ने 11 जनवरी को राज्य में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी। इसके साथ दिल्ली से सटे गाजियाबाद नोएडा में भी अवकाश रहेगा। इस दिन शिक्षण संस्थान सरकारी कार्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। इससे पहले सीएम योगी ने राज्य में 22 जनवरी के ही दिन ठेके बंद रखने का आदेश जारी किया।

गाजियाबाद/नोएडा। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ ने 11 जनवरी को राज्य में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी। इसके साथ दिल्ली से सटे गाजियाबाद, नोएडा में भी अवकाश रहेगा। इस दिन शिक्षण संस्थान, सरकारी कार्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठान बंद रहेंगे।

इससे पहले सीएम योगी ने राज्य में 22 जनवरी के ही दिन ठेके बंद रखने का आदेश जारी किया था। यानी शराब की बिक्री पर रोक रहेगी। बता दें कि 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित सभी केंद्रीय मंत्री, वीवीआईपी, स्पोर्ट्स पर्सन, बड़े कारोबारी पहुंच रहे हैं।

अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान पूर्ण होने तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी 11 यजमानों को आहार-विहार, शयन आदि के संबंध में यम-नियम के कठोर 45 व्रतों का पालन करना होगा।

अयोध्या जाने वाली सड़कों पर ग्रीन कॉरिडोर बनाने का निर्देश

मुख्यमंत्री ने अयोध्या की ओर जाने वाले सभी मार्गों को ग्रीन कॉरिडोर बनाने और इन पर कहीं भी अतिक्रमण न होने का कड़ा निर्देश भी दिया है। उन्होंने गुरुवार रात प्राण प्रतिष्ठा समारोह, मकर संक्रांति, माघ मेला और गणतंत्र दिवस पर किए जा रहे प्रबंधों व कानून-व्यवस्था की समीक्षा की।

आम लोगों के लिए खुल जाएगा राम मंदिर

22 जनवरी को अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा का भव्य कार्यक्रम निर्धारित है। दुनिया भर के दिग्गज इस दिन राम की नगरी में मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर को आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा।

टेबलेट को है सिम का इंतजार, अधर में अटकी ऑनलाइन उपस्थिति; 12 रजिस्टर का बोझ अभी तक ढो रहे शिक्षक

शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति की योजना अधर में अटकी हुई है। जिले के चारों ब्लॉक के 511 स्कूलों के शिक्षकों के लिए नवंबर में 872 टेबलेट स्कूलों में पहुंचे थे। यह टेबलेट प्रधानाध्यापकों के पास सील बंद रखे हुए हैं। शासन की ओर से कंपोजिट ग्रांट से टेबलेट के लिए सिम और इंटरनेट के लिए मिलने वाली 1500 रुपये राशि अभी तक स्कूलों के खातों में नहीं पहुंची है।

ग्रेटर नोएडा। शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति की योजना अधर में अटकी हुई है। जिले के चारों ब्लॉक के 511 स्कूलों के शिक्षकों के लिए नवंबर में 872 टेबलेट स्कूलों में पहुंचे थे। यह टेबलेट प्रधानाध्यापकों के पास सील बंद रखे हुए हैं। शासन की ओर से कंपोजिट ग्रांट से टेबलेट के लिए सिम और इंटरनेट के लिए मिलने वाली 1500 रुपये राशि अभी तक स्कूलों के खातों में नहीं पहुंची है। कंपोजिट ग्रांट से ही शिक्षकों को टेबलेट के लिए सिम खरीदना है। दो महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी ऑनलाइन उपस्थिति शुरू नहीं हो पाई है। नई शिक्षा नीति के तहत पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से ऑनलाइन उपस्थिति के लिए योजना लाई गई है। शिक्षकों ने बताया कि शासन की ओर से हर योजना को लागू करने में जल्दबाजी की जाती है, लेकिन अभी तक सिम और इंटरनेट के लिए मिलने वाली राशि नहीं मिली है। स्कूलों में रखे टेबलेट धूल खा रहे हैं।

टेबलेट से होने हैं यह कार्य

निजी स्कूलों की तर्ज पर परिषदीय स्कूलों को हाईटेक बनाने पर विभाग की ओर से जोर दिया जा रहा है। ऑनलाइन उपस्थिति के साथ ही 12 रजिस्टर का बोझ भी शिक्षकों के ऊपर से कम किया जाना था। टेबलेट की सहायता से अब उपस्थिति पंजिका, प्रवेश पंजिका, कक्षावार छात्र उपस्थिति पंजिका, एमडीएम पंजिका, स्टाक पंजिका, निरीक्षण पंजिका, आय-व्यय व चेक इश्यू पंजिका, बैठक पंजिका आदि का डिजिटाइजेशन भी होना था,लेकिन यह योजना अब ठंडे बस्ते में पड़ी हुई है।

रामजन्मभूमि आंदोलन भारत के इतिहास में एक निर्णायक और परिणामकारी घटना सिद्ध हुई

एलके आडवाणी

अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए किया गया 'रामजन्मभूमि आंदोलन' 1947 के बाद के भारत के इतिहास में एक निर्णायक और परिणामकारी घटना सिद्ध हुई। हमारे समाज, राजनीति तथा राष्ट्रीय पहचान की भावना पर इसका गहरा प्रभाव रहा है।

मैं शब्दातीत प्रफुल्लित हूँ कि हम श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में एक भव्य श्रीराम मंदिर बनाने के मेरे सबसे प्रिय सपने को साकार होता देखने वाले हैं। 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अयोध्या के दिव्य मंदिर में श्रीराम के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा करेंगे। मैं धन्य हूँ कि मैं अपने जीवनकाल में इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनूँगा। मेरा सदैव मानना रहा है कि एक सार्थक जीवन और समाज, दोनों की ही नींव आस्था पर टिकी होती है। आस्था व्यक्ति के जीवन में न केवल ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करती है, बल्कि उसे दिशा देने में भी सहायक होती है। मेरे लिए और करोड़ों भारतीयों के लिए, यही आस्था श्रीराम के प्रति हमारी अगाध श्रद्धा रही है।

श्रीराम भारत की आत्मा के प्रतीक है। भारत और भारतीयता की सच्ची आत्मा अनुशासन, सच्चाई, सत्यनिष्ठा, नैतिकता, नैतिक मूल्य, विविधता को स्वीकार करना और उस पर गर्व करना, बड़ों के प्रति सम्मान, सुदृढ़ पारिवारिक संबंध और ऐसे सभी उत्कृष्ट मानवीय मूल्य है; श्रीराम इन सभी निष्कलंक मानवीय गुणों के प्रतीक हैं। इसीलिए उन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा जाता है। वे भारतीयों की उच्च मूल्यों का जीवन जीने की आकांक्षा के एक आदर्श हैं।

श्रीराम एक आदर्श राजा भी थे 'धर्म' के जीवंत अवतार। इसलिए सुशासन के प्रतीक 'रामराज्य' की अवधारणा को भारत के लिए आदर्श के रूप में प्रचारित किया गया। यद्यपि श्रीराम हिंदुओं के लिए पूजनीय पवित्र धार्मिक विभूति हैं, साथ ही वे भारत की उस सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय पहचान के भी एक प्रमुख प्रतीक हैं, जो समान रूप से प्रत्येक नागरिक की धरोहर है। श्रीराम के जीवन की कहानी, 'रामायण', भारत की सांस्कृतिक परंपराओं की निरंतरता का स्रोत और वाहक दोनों है और इसने शताब्दियों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी, भारतीय मानस को बहुत प्रभावित किया है। इसलिए पिछले लगभग 500 वर्षों से, कोटि-कोटि भारतीयों की हार्दिक इच्छा रही है कि अयोध्या में श्री राम मंदिर का पुनर्निर्माण हो।

अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए किया गया 'रामजन्मभूमि आंदोलन' 1947 के बाद के भारत के इतिहास में एक निर्णायक और परिणामकारी घटना सिद्ध हुई। हमारे समाज, राजनीति तथा राष्ट्रीय पहचान की भावना पर इसका गहरा प्रभाव रहा है। मैंने सदैव कहा है कि मेरी राजनीतिक यात्रा में अयोध्या आंदोलन सबसे निर्णायक परिवर्तनकारी घटना थी, जिसने मुझे भारत को पुनः जानने और इस प्रक्रिया में अपने आप को भी फिर से समझने का अवसर दिया। मैं विनम्रता से कहता हूँ कि नियति ने मुझे 1990 में सोमनाथ से अयोध्या तक श्रीराम रथयात्रा के रूप में एक महत्त्वपूर्ण कर्तव्य निभाने का अवसर दिया।

मेरा मानना है कि कोई भी घटना अंततः वास्तविकता में घटित होने से पहले व्यक्ति के मन-मस्तिष्क में आकार लेती है। उस समय मुझे लग रहा था कि नियति ने यह निश्चित कर लिया है कि एक दिन अयोध्या में श्रीराम का एक भव्य मंदिर अवश्य बनेगाः बस अब केवल समय की बात है। रामजन्मभूमि पर श्रीराम का एक भव्य मंदिर बनना भारतीय जनता पार्टी की प्रबल इच्छा और दृढ़ संकल्प रहा है। 1980 के दशक के मध्य में जब अयोध्या मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया, तो मुझे वह समय याद आया कि कैसे महात्मा गांधी, सरदार पटेल, राजेंद्र प्रसाद और के.एम. मुंशी जैसे राजनीतिक दिग्गजों के प्रभावी नेतृत्व द्वारा, सभी बाधाओं के बाद भी, स्वतंत्र भारत में एक और ऐतिहासिक मंदिर (गुजरात में सौराष्ट्र के तट पर प्रभासपाटन में सोमनाथ मंदिर) के पुनर्निर्माण का पथ प्रशस्त किया था।

मध्य काल में सोमनाथ अनेक विदेशी आक्रांताओं के निशाने पर रहा और उनके आक्रमणों का साक्षी भी रहा, तथा सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण अपने खोए सांस्कृतिक गौरव को वापस पाने और धर्मांध विदेशी आक्रांताओं के इतिहास को मिटाने के भारत के दृढ़ संकल्प का एक गौरवपूर्ण प्रमाण है। दुखद है कि सोमनाथ के समान ही, अयोध्या में श्रीराम के जन्मस्थान पर बना मंदिर भी मुगल साम्राज्य की स्थापना करने वाले आक्रमणकारी बाबर के हमले का निशाना बन गया था। 1528 में बाबर ने अपने कमांडर मीर बाकी को अयोध्या में एक मस्जिद बनाने का आदेश दिया, ताकि उस स्थान को 'फरिश्तों के अवतरण का स्थान बनाया जा सके, इसलिए इसका नाम बाबरी मस्जिद पड़ा।

यह सभी मानते हैं और बाद में पुरातात्त्विक साक्ष्यों से इसकी पुष्टि भी हो गई कि अयोध्या में पहले से ही एक मंदिर था, जिसे मस्जिद की स्थापना के लिए ध्वस्त कर दिया गया था। इस कारण, कई अर्थों में अयोध्या आंदोलन ने सोमनाथ की भावना को ही आगे बढ़ाया। 1990 में जब भाजपा ने निर्णय लिया कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में मुझे अयोध्या आंदोलन के लिए जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से श्रीराम रथयात्रा का नेतृत्व करना चाहिए, तो मैंने स्वाभाविक ही इस ऐतिहासिक यात्रा के आरंभिक स्थल के रूप में सोमनाथ को चुना।

12 सितंबर, 1990 को मैंने 11 अशोक रोड, नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और 10,000 किलोमीटर लंबी रथयात्रा करने के अपने निर्णय की घोषणा की। यात्रा 25 सितंबर को सोमनाथ से आरंभ होकर 30 अक्तूबर को अयोध्या पहुँचने वाली थी, जहाँ आंदोलन से जुड़े संतों की योजना के अनुसार कारसेवा की जानी थी। 25 सितंबर मेरे लिए विशेष था, क्योंकि इस दिन पं. दीनदयाल उपाध्यायजी की जयंती है।

अपनी आत्मकथा 'मेरा देश मेरा जीवन' में मैंने 1990 में अयोध्या आंदोलन और श्रीराम रथयात्रा के विषय में विस्तार से चर्चा की है। आज के इस विशेष अवसर पर में इसके कुछ महत्त्वपूर्ण अंशों को याद दिलाना चाहूँगा।

25 सितंबर, 1990 की सुबह मैंने सोमनाथ मंदिर में ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना की। मेरे साथ वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी (जो उस समय भाजपा के एक होनहार नेता थे), श्री प्रमोद महाजन (जो पार्टी के महासचिव थे), गुजरात में पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और मेरे परिवार के सदस्य थे। पार्टी के दो उपाध्यक्ष राजमाता विजयाराजे सिंधिया और श्री सिकंदर बख्त रथ को हरी झंडी दिखाने आए थे।

रथ को रवाना करने से पहले हम सभी ने मंदिर के ठीक बाहर सरदार पटेल की भव्य प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मैंने मन-ही-मन उन सभी महापुरुषों को धन्यवाद दिया और उनसे प्रेरणा ली, जिन्होंने मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए कड़ा परिश्रम किया था। स्वागत और आशीर्वाद देने के लिए एकत्र हुई भारी भीड़ के बीच हम श्रीराम रथ पर चढ़े, जिसे गेंदे के फूलों से सजाया गया था। फिर गुंजायमान शंखनाद ओर 'जय श्रीराम' व 'सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएँगे' के गगनभेदी नारों के साथ रथ आगे बढ़ा। बाद के दिनों में ये नारे मेरी यात्रा की पहचान बन गए और भारत की स्वर कोकिला, स्वर सम्राज्ञी स्वर्गीय श्रीमती लता मंगेशकर द्वारा गाया गीत श्रराम नाम में जादू ऐसा, राम नाम मन भाए; मन की अयोध्या तब तक सूनी, जब तक राम न आएँश्- रथयात्रा का मुख्य गीत बन गया।

गुजरात में पहले कुछ दिनों में ही यात्रा को मिले प्रतिसाद और उसके प्रति उत्साह से में वास्तव में अभिभूत था। सभी स्थानों पर भारी भीड़ ने रथ का स्वागत किया। गाँवों, कस्बों और यहाँ तक कि सड़कों पर भी, आस-पास की बस्तियों के लोग पेड़ों के नीचे इकट्ठा होकर रथ के आने की उत्सुकता से प्रतीक्षा किया करते थे। बड़े कस्बों और शहरों में यह अपूर्व उत्साह चरम पर पहुँच गया था, जिसके कारण हमें अपनी बैठकों के स्थल तक पहुँचने में घंटों लग जाते थे।

यह जनसमर्थन महाराष्ट्र के साथ-साथ उसके बाद के सभी राज्यों में भी उत्तरोत्तर बढ़ता गया, जहाँ-जहाँ से यात्रा गुजरी। जगह-जगह लोगों ने भव्य तोरणद्वार बनाकर और पुष्पवर्षा करके रथ का स्वागत किया। मेरे लिए सबसे आश्चर्यजनक दृश्य वह था, जिसमें लोग, विशेष रूप से महिलाएँ, रथ के आगे आकर आरती करती थीं और सिक्के चढ़ाती थीं, जैसे कि वे किसी मंदिर में प्रार्थना कर रही हों। मुझे शीघ्र ही अनुभव हुआ कि अनेक लोगों के लिए, इस अभियान की दृष्टि से मैं इतना महत्त्वपूर्ण नहीं था और मेरे द्वारा इसका नेतृत्व करना मात्र एक संयोग था। मैं तो केवल एक सारथी था; रथयात्रा का प्रमुख संदेशवाहक स्वयं रथ ही था। और यह पूजा के योग्य इसीलिए था, क्योंकि यह श्रीराम मंदिर के निर्माण के पवित्र उद्देश्य की पूर्ति के लिए उनके जन्मस्थान अयोध्या जा रहा था।

इस बिंदु पर मैं उस 'रथ' के विषय में कुछ कहना चाहूँगा, जिसमें मैंने यात्रा की थी। वह वास्तव में एक मिनी ट्रक था, जिसे रथ का आकार देने के लिए रीडिजाइन किया गया था और इसमें मूलभूत सुविधाएँ प्रदान की गई थीं।

'रथ' में यात्रा करना मेरे लिए वास्तव में एक अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभव था, लेकिन इसने अपनी ही अनेक चुनौतियाँ भी प्रस्तुत कीं। वाहन के पीछे एक छोटा कमरा-सह-शौचालय था, जिसका उपयोग केवल तभी किया जा सकता था, जब वाहन चल न रहा हो, क्योंकि यह बहुत उछलता था। मुझे याद है कि अपना संतुलन बनाए रखने के लिए मुझे अधिकतर चलती गाड़ी के मंच पर सामने और किनारे पर लगी रॉड को पकड़कर खड़ा होना पड़ता था। निस्संदेह इस कारण लगातार गरमी और धूल का भी सामना करना पड़ता था, क्योंकि मंच तीन तरफ से खुला था।

इसके अलावा रथ के चलते समय यह असंभव था कि मैं पानी, जूस या चाय बिना गिराए पी सकूँ। इसलिए इस समस्या को दूर करने के लिए एक विशेष सिपर बोतल की व्यवस्था की गई। जहाँ तक भोजन की बात है, तो ऐसी व्यवस्था की गई थी कि रात का खाना उस शहर के अपनी पार्टी के किसी कार्यकर्ता के घर से आएगा, जहाँ हमें रात्रि विश्राम के लिए पहुँचना था। चूंकि अंतिम सार्वजनिक बैठक हमेशा आधी रात के लगभग ही समाप्त होती थी, इसलिए मैं सामान्यतया मुरब्बा टोस्ट के साथ सिर्फ एक गिलास दूध ही लेता था।

एक और समस्या हमें अक्सर रथ की ऊँचाई के कारण आती थी। हालांकि पार्टी के अधिकारियों ने यात्रा के मार्ग में विभिन्न गंतव्यों तक वाहन की ऊँचाई के बारे में अग्रिम जानकारी प्रसारित की थी, लेकिन जैसे-जैसे हम छोटे कस्बों और शहरों से गुजरते थे, ऊपर लटकते बिजली के तारों के कारण बार-बार रुकावट आती थी। इसलिए पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तारों को रास्ते से हटाने के लिए लकड़ी के अधिक लंबे खंभों की व्यवस्था की और रथ के साथ चलना भी शुरू कर दिया। वैसे, ये सभी वास्तव में छोटी समस्याएँ थीं, जो मेरी 'श्रीराम रथयात्रा' की सुंदर व सुखद स्मृतियों का एक लघुतर भाग है।

यात्रा के सबसे मर्मस्पर्शी क्षण गाँवों और दूरदराज की बस्तियों में अनुभव हुए, जहाँ ग्रामीणों के चेहरे पर भक्तिभाव और श्रद्धा शहरों की तुलना में अधिक थी। उनमें से कई या तो अशिक्षित थे या नाममात्र के शिक्षित थे। उन्होंने श्रीराम के बारे में पढ़कर नहीं जाना था। यह ऐसा था मानो इनका ज्ञान उनके माध्यम से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में प्रवाहित हो रहा हो, लोककथाओं या मौखिक रूप से प्रसारित हो रहा हो, जैसा कि आमतौर पर भारतीय समाज में होता है।

कई स्थानों पर, मुझे कोई ऐसा ग्रामीण व्यक्ति मिल जाता था, जो बिना कोई नारा लगाए चुपचाप आता, रथ के सामने पूजा करता, मुझे अभिवादन करता और चला जाता। मैं वास्तव में इस तरह के अनुभवों से अभिभूत था, क्योंकि इससे मुझे प्रत्यक्ष रूप से पता चला कि भारतीय लोगों के जीवन में धार्मिकता की जड़ें कितनी गहरी जमी हुई हैं। यह रथयात्रा ही थी, जिसने मुझे अनुभूति कराई कि यदि मुझे धार्मिक बातों के माध्यम से राष्ट्रवाद का संदेश देना है, तो मैं इसे अधिक प्रभावी ढंग से और व्यापक जनसमूह तक पहुँचा पाऊँगा।

मेरे भाषण, जो अधिकतर वाहन पर विशेष रूप से बनाए गए ऊँचे मंच से दिए जाते थे, लगभग पाँच मिनट के ही होते थे, क्योंकि मुझे हर दिन सड़क किनारे ऐसे लगभग बीस से पच्चीस स्वागत समारोहों को संबोधित करना पड़ता था। अधिकांश कस्बों और शहरों में, मुझे नीचे उतरकर सार्वजनिक सभाओं को संबोधित करना पड़ता था, जिसमें हजारों लोग शामिल होते थे।

मैं यात्रा के उद्देश्य और उन परिस्थितियों के बारे में बताता था, जिन्होंने भाजपा को रामजन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए विवश किया था। हालाँकि रथयात्रा पर लोगों की प्रतिक्रिया मुख्य रूप से धार्मिक थी, जबकि मेरे भाषणों का बल राष्ट्रवाद पर था, क्योंकि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि श्रीराम मंदिर का मुद्दा आंतरिक रूप से हमारी भारतीयता की भावना से जुड़ा है।

मेरे भाषणों में बार-बार दोहराया जाने वाला एक विषय यह था कि धार्मिक आस्था के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण की शक्ति सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र-निर्माण में अहम योगदान दे सकती है। मैंने हमारे मुस्लिम भाइयों को स्वतंत्र भारत में समानता प्राप्त होने पर बल दिया, जो भारत के ईश्वर शासित न होने और धर्मनिरपेक्ष बने रहने के कारण संभव हुआ। मैंने कहा, यह मुख्यतः हिंदू धर्म के सदियों पुराने धर्मनिरपेक्ष लोकाचार के कारण था। मैंने मुस्लिम समुदाय के नेताओं से अयोध्या पर हिंदू भावनाओं का सम्मान करने की भी अपील की।

मेरी यात्रा 24 अक्तूबर, 1990 को उत्तर प्रदेश के देवरिया में प्रवेश करने वाली थी। हालांकि, जैसा कि मैंने अनुमान लगाया था, इसे 23 अक्तूबर को बिहार के समस्तीपुर में रोक दिया गया और श्री लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाली जनता दल सरकार द्वारा मुझे गिरफ्तार कर लिया गया। मुझे बिहार-बंगाल सीमा पर दुमका के पास मसानजोर नामक स्थान पर सिंचाई विभाग के एक निरीक्षण बंगले में ले जाया गया। इस कार्रवाई पर पूरे देश में आक्रोश और बड़ी संख्या में स्वतः स्फूर्त विरोध प्रदर्शन किए गए।

यह वह समय था, जब मोबाइल फोन नहीं थे। मेरी गिरफ्तारी की खबर मेरी बेटी प्रतिभा तक बड़े दिलचस्प ढंग से पहुँची, जो उस समय कोलकाता में थी। वह अपने घर वापस जाने के लिए टैक्सी की प्रतीक्षा में थी, तभी एक टैक्सी ड्राइवर ने उनसे कहा कि वह झटपट सवार हो जाएँ। जब प्रतिभा ने उनसे पूछा कि वह ऐसा क्यों कह रहे हैं, तो टैक्सी ड्राइवर ने उन्हें बताया कि आडवाणी 'बाबा' को गिरफ्तार कर लिया गया है और लोगों को डर था कि शहर में दंगे हो सकते हैं! दो दिन बाद, प्रतिभा ने लालू प्रसाद यादवजी से बात की, जिन्होंने मेरी हिरासत के दौरान उन्हें मसानजोर में मुझसे मिलने आने में सहायता की। पाँच सप्ताह हिरासत में बिताने के बाद मुझे रिहा कर दिया गया।

इस प्रकार मेरी 'श्रीराम रथयात्रा' समाप्त हुई, जो वास्तव में मेरे राजनीतिक जीवन का एक अद्भुत अविस्मरणीय उत्साहवर्धक प्रसंग था। मुझे प्रसन्नता हुई कि यात्रा ने अपने अनगिनत प्रतिभागियों की आकांक्षाओं, ऊर्जा और उत्साह को अपूर्व विस्तार दिया।

श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान शुरू हुई एक महत्त्वपूर्ण बहस वास्तविक धर्मनिरपेक्षता और छद्म धर्मनिरपेक्षता के बीच का अंतर थी। एक ओर, आंदोलन को व्यापक जन समर्थन प्राप्त था, वहीं दूसरी ओर, अधिकांश राजनीतिक दल इस आंदोलन का समर्थन करने से इसलिए कतरा रहे थे, क्योंकि उन्हें मुस्लिम वोट खोने का डर था। वे वोट बैंक की राजनीति के लालच में आ गए और उसे धर्मनिरपेक्षता के नाम पर उचित ठहराने लगे।

इस प्रकार, अयोध्या मुद्दा, जिसका प्राथमिक उद्देश्य श्री रामजन्मभूमि मंदिर का पुनर्निर्माण था, छद्म धर्मनिरपेक्षता के हमले के कारण धर्मनिरपेक्षता के वास्तविक अर्थ को पुनःस्थापित करने का प्रतीक भी बन गया।

मेरी श्रीराम रथयात्रा को 33 वर्ष हो गए हैं। तब से बहुत कुछ घटित हुआ, इसमें वो कानूनी लड़ाई भी शामिल है, जिसमें मुझ पर तथा विश्व हिंदू परिषद्, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के मेरे कई सहयोगियों पर मुकदमा चलाया गया। फिर लगभग तीन दशकों के बाद, 30 सितंबर, 2020 को, सीबीआई की विशेष अदालत ने मुझे और अन्य लोगों को बरी कर दिया और सभी आरोपों से मुक्त किया। यह ध्यान देने योग्य है कि एक तरफ जहाँ लंबी कानूनी लड़ाई चल रही थी, वहीं दूसरी तरफ, न केवल मैं, बल्कि भाजपा और संघ परिवार का प्रत्येक कार्यकर्ता भारतीयों की आत्मा को जागृत करने के कार्य में जुटा रहा ताकि रामलला को अपने वास्तविक निवासस्थान पर विराजमान करने का सपना साकार हो सके।

मुझे बहुत प्रसन्नता है कि नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट के निर्णायक फैसले के कारण श्रीराम मंदिर के पुनर्निर्माण का पथ शांति के वातावरण में प्रशस्त हुआ है। अब जब भव्य श्रीराम मंदिर अपने निर्माण के अंतिम चरण में है, तो मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार, सभी संगठनों, विशेष रूप से विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी, अनगिनत रथ यात्रा के सहयोगियों, संतों, नेताओं, कारसेवको और भारत तथा दुनिया के सभी लोगों के प्रति गहरी कृतज्ञता की भावना से भर गया हूँ, जिन्होंने कई दशकों तक अयोध्या आंदोलन में बहुमूल्य योगदान और बलिदान दिया।

आज मुझे दो व्यक्तियों की बहुत याद आ रही है। पहले व्यक्ति हैं स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी, जो मेरे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं, राजनीतिक और व्यक्तिगत, दोनों ही तौर से और जिनके साथ मेरा एक अटूट और सदाकालीन विश्वास, स्नेह और आदर का संबंध था।

दूसरी व्यक्ति हैं मेरी दिवंगत पत्नी कमला, जो मेरे जीवन के लिए स्थिरता का मुख्य आधार रहीं और न केवल श्री राम रथ यात्रा के दौरान, बल्कि मेरे लंबे समय के सामाजिक और राजनीतिक जीवन में अद्वितीय शक्ति का स्रोत बनी रहीं।

आगामी 22 जनवरी, 2024 के विशेष अवसर से पहले पूरे देश का वातावरण सचमुच राममय हो गया है। यह मेरे लिए संतुष्टि का क्षण है, न केवल संघ और भाजपा के एक गौरवान्वित सदस्य के रूप में, बल्कि हमारी गौरवशाली मातृभूमि के एक गर्वित नागरिक के रूप में भी। सभी देशवासियों को मेरी अनंत शुभकामनाएँ!

जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में श्रीरामलला के विग्रह की 'प्राण प्रतिष्ठा' करेंगे, तो वह हमारे महान भारतवर्ष के प्रत्येक नागरिक का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह मेरा अटल विश्वास है और मेरी आशा भी कि यह मंदिर सभी भारतीयों को श्रीराम के गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। मैं यह भी प्रार्थना करता हूँ कि हमारा महान देश न केवल वैश्विक शक्ति बनने के पथ पर तेजी से आगे बढ़ता रहे, बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों में अपने आप को गरिमा और मर्यादा के एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करें। मैं श्रीराम के चरणकमलों में शीश झुकाता हूँ। वह अपना आशीर्वाद सभी पर बनाये रखें।

जय श्रीराम!

-लाल कृष्ण आडवाणी

(लेखक भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता

सिर्फ इतने रुपये की मासिक EMI पर घर आएगी हीरो की ये चर्चित मोटरसाइकिल, देखें क्या है पूरा प्लान

दोपहिया सेगमेंट में हीरो स्पलेंडर का जलवा पिछले कई सालों से कायम है। अगर आप इस चर्चित बाइक को मासिक किस्तों पर लेने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यहां इसे घर लाने के लिए पूरा तरीका बताया गया है। अगर इसके लिए 20 हजार रुपये की डाउनपेमेंट करी जाती है तो बहुत कम रुपये की EMI बनेगी। आइए इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। दोपहिया सेगमेंट में अगर किसी को बजट रेंज के अंदर बाइक खरीदनी होती है, तो उसके जेहन में हीरो स्पलेंडर का नाम जरूर आता है। इस बाइक ने देश के लोगों के दिलों में अपनी अच्छी पहचान बनाई है। ऐसे में अगर आप भी इस चर्चित मोटरसाइकिल को मासिक EMI पर खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यहां हम आपके लिए इसी बाइक का पूरा मासिक ईएमआई प्लान लेकर आए हैं। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

हीरो स्पलेंडर प्लस बाइक की (Self Alloy) कीमत 90,579 रुपये एक्सशोरूम दिल्ली से शुरू होती है। अगर बाइक के लिए ग्राहक के द्वारा 20 हजार रुपये की डाउनपेमेंट दी जाती है, तो उसके लिए 70 हजार रुपये का लोन कराया जाएगा।

अगर लोन 36 महीने के लिए कराया जाता है और 10 प्रतिशत की ब्याज दर ली जाती है तो इसके लिए आपको हर महीने 2,548 रुपये देने होंगे।

कुलमिलाकर आपको ब्याज के साथ 1.11 लाख रुपये चुकाने होंगे और बाइक आपकी हो जाएगी। ध्यान रखें ये राशि आपकी डीलरशिप के अनुसार थोड़ी बहुत उपर नीचे भी हो सकती है। खरीदने से पहले पूरी जानकारी हासिल कर लें।

माइलेज में है बेस्ट

हीरो की तरफ से आने वाली ये मोटरसाइकिल माइलेज के मामले में बेहद ही शानदार है। इसमें 60 किमी/प्रति लीटर का माइलेज मिलता है। बाइक में 97.2 सीसी का इंजन प्रदान किया जाता है। जिसको 4 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। इसमें 9.8 लीटर का फ्यूल टैंक दिया जाता है। बाइक में एनालॉग इंस्ट्रूमेंट कंसोल, स्पीडोमीटर और ओडोमीटर दिया जाता है।

हीरो स्पलेंडर प्लस बाइक की (Self Alloy) कीमत 90,579 रुपये एक्सशोरूम दिल्ली से शुरू होती है। अगर बाइक के लिए ग्राहक के द्वारा 20 हजार रुपये की डाउनपेमेंट दी जाती है, तो उसके लिए 70 हजार रुपये का लोन कराया जाएगा।

स्पोर्ट्स बाइक शौकीनों के लिए कावासाकी का तोहफा, इन पर मिल रहे हैं शानदार ऑफर्स; जानें डिटेल

कावासाकी ने हाल ही में एलिमिनेटर 500 को भारतीय मार्केट में लॉन्च किया गया है। वहीं अब कंपनी की तरफ से ग्राहकों के लिए ऑफर्स की घोषणा की गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कंपनी की बाइक्स पर 60 हजार रुपये तक बचाने का शानदार मौका मिल रहा है। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। जापानी वाहन निर्माता कंपनी Kawasaki ने ग्राहकों को एक शानदार तोहफा दिया है। स्पोर्ट्स बाइक खरीदने की चाहत रखने वालों के लिए कंपनी ने अपनी कई मोटरसाइकिल पर ऑफर देने की घोषणा की है। इसके अलावा वाउचर भी मिल रहे हैं। कुल मिलाकर वर्तमान समय में बाइक खरीदने पर आपकी अच्छी बचत हो सकती है। हम यहां कावासाकी के द्वारा दिए जा रहे ऑफर्स के बारे में जानकारी देने वाले हैं।

इन पर मिल रहा ऑफर

कावासाकी की तरफ से आने वाली Kawasaki Vulcan S पर 60 हजार रुपये तक वाउचर ऑफर किया गया है। इस बाइक पर यह अधिकतम छूट प्रदान की जा रही है। बता दें, 31 जनवरी 2023 तक ही वैध रहेंगे या फिर स्टॉक खत्म होने तक इन्हें जारी रखा जाएगा।

Kawasaki Ninja 650 बाइक लेने वालों के लिए भी शानदार मौका है, क्योंकि इस पर भी 30 हजार रुपये तक की अधिकतम बचत की जा सकती है। इसके अलावा Versys 650 और Ninja 400 पर भी ये ऑफर सीमित समय के लिए रहने वाला है। Versys 650 के लिए ये 20 हजार रुपये और Ninja 400 के लिए 40 हजार रुपये तक जाता है।

डीलरशिप से लें जानकारी

अगर आप कंपनी के द्वारा दिए गए इन ऑफर्स के बारे में अधिक जानकारी चाहते हैं,तो कावासाकी डीलरशिप पर जाकर संपर्क कर सकते हैं। बता दें हाल ही में ब्रांड की तरफ से एलिमिनेटर 500 (Eliminator 500) को भारतीय मार्केट में लॉन्च किया गया है।

इसकी कीमत 5.62 लाख रुपये एक्सशोरूम से शुरू होती है। कावासाकी डीलरशिप पर इस बाइक के लिए बुकिंग प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। लेटेस्ट लॉन्च बाइक में 451cc का पेरलल लिक्विड कूल्ड इंजन प्रदान किया जाता है। इस इंजन को 6 स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। इसमें असिस्ट और स्लिप क्लच का भी ऑप्शन मिलता है।

ग्राहकों को झटका! होण्डा एलीवेट की कीमतों में हुआ इजाफा, चेक करें नई प्राइस

होंडा एलिवेट के सभी वेरिएंट्स की कीमतों में इजाफा किया गया है। इस बेस मॉडल की कीमत पहले 10.99 लाख रुपये एक्सशोरूम से शुरू होती थी लेकिन अब इसमें 58 हजार रुपये की वृद्धि हुई है। जिसके बाद नई कीमत 11.57 लाख रुपये हो गई है। जबकि अन्य वेरिएंट 20 हजार रुपये मंहगे हो गए हैं। यहां इसी के बारे में जान रहे हैं।

नई दिल्ली। होंडा के द्वारा होंडा एलिवेट को मिडसाइज एसयूवी सेगमेंट में पिछले वर्ष सितंबर महीने में पेश किया गया था, यह गाड़ी बिक्री के मामले में तगड़ा रुतबा जमाने में कामयाब रही थी, हालांकि अब होंडा ने ग्राहकों को एक तगड़ा झटका दिया है। कंपनी ने होंडा एलिवेट के सभी वेरिएंट्स की कीमतों में बढ़ोत्तरी की है। यहां इस गाड़ी की नई कीमतों के बारे में बताने वाले हैं।

होंडा एलिवेट के सभी वेरिएंट्स की कीमत

Honda Elevate के SV MT वेरिएंट की कीमत पहले 10.99 लाख रुपये एक्सशोरूम से शुरू होती थी लेकिन अब इसमें 58 हजार रुपये की वृद्धि हुई है। जिसके बाद नई कीमत 11.57 लाख रुपये हो गई है। बता दें, सबसे ज्यादा इसी वेरिएंट की कीमतों में वृद्धि हुई है,

जबकि अन्य वेरिएंट्स की कीमतों में 20,000 हजार रुपये का इजाफा किया गया है। होंडा एलिवेट के टॉप वेरिएंट ZX CVT की कीमत अब 16.19 लाख रुपये हो गई है।

ग्राहकों को खूब पसंद आई गाड़ी

होंडा एलिवेट की इस गाड़ी को ग्राहकों ने जमकर प्यार दिया है, इस गाड़ी ने पहले 100 दिनों में 20 हजार युनिट्स बिक्री का आंकड़ा पार किया था और नवबंर 2023 कंपनी की बेस्ट सेलिंग गाड़ियों में भी शामिल रही थी।

Honda Elevate के फीचर्स और इंजन

इस गाड़ी में 1498cc की क्षमता वाला 4 सिलेंडर इंजन प्रदान किया जाता है, जो 119.35 बीएचपी की अधिकतम शक्ति और 145 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। गाड़ी में ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन दिया जाता है। सामान रखने के लिहाज से इसमें 458 लीटर का बूस्ट स्पेस मिलता है।

अन्य फीचर्स के रूप में एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, ड्राइवर एयरबैग, मल्टी फंक्शन स्टीयरिंग व्हील, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल और अलॉय व्हील दिए जाते हैं।

शानदार ग्राउंड क्लीयरेंस के साथ आती है ये ऑफ रोडिंग कारें, कीमत 10 लाख से शुरू

ऑफ रोडिंग कार को चलाने में काफी अच्छा लगता है। इनकी राइडिंग एक्सपीरियंस काफी अलग ही होती है। चलिए आपको इसके बारे में और अधिक जानकारी देते हैं। हमारी लिस्ट में ऑफ रोडिंग के लिए इसुजु वी-क्रॉस है। ये एक शानदार एसयूवी है। इसका ग्राउंड क्लीयरेंस 225 मिमी है। इसकी शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 22.07 लाख रुपये से लेकर 27 लाख रुपये तक जाती है।

नई दिल्ली। क्या आप अपने लिए एक नई ऑफ रोडिंग कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं वो भी शानदार लुक के साथ आने वाली तो आज हम आपके लिए भारतीय बाजार में मौजूद ऑफ रोडिंग कारों की लिस्ट लेकर आए हैं। ऑफ रोडिंग कार को चलाने में काफी अच्छा लगता है। इनका राइडिंग एक्सपीरियंस काफी अलग ही होता है। चलिए आपको इसके बारे में और अधिक जानकारी देते हैं।

Citroen C5 Aircross SUV

भारतीय बाजार में सिट्रोएन सी5 एयरक्रॉस एसयूवी आपके लिए एक बेहतर ऑप्शन साबित हो सकती है। इस कार का ग्राउंड क्लीयरेंस 230 मिमी का है। मार्केट में इस कार की कीमत 37.17 लाख रुपये एक्स शोरूम है।

Mahindra Thar

मार्केट में ये कार ऑफ रोडिंग के लिए ही जानी जाती है। थार आज से ही नहीं ऑफ रोडिंग के लिए जानी जाती है। ये कई समय से लोगों के दिलो पर राज कर रही है। इस कार की ग्राउंड क्लीयरेंस 226 मिमी है। इस कार की एक्स शोरुम कीमत 10.54 लाख रुपये से शुरू है जो 16.78 लाख रुपये तक जाती है।

Isuzu V-Cross

हमारी लिस्ट में ऑफ रोडिंग के लिए इसुजु वी-क्रॉस है। ये एक शानदार एसयूवी है। इसका ग्राउंड क्लीयरेंस 225 मिमी है। अगर आप इस कार को खरीदना चाहते हैं तो इसकी शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 22.07 लाख रुपये से लेकर 27 लाख रुपये एक्स-शोरूम तक जाती है।

Toyota Fortuner

टोयोटा फॉर्च्यूनर भारतीय बाजार में लोगों की फेवरेट एसयूवी में से एक है। इस कार में 220 मिमी का ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है। इस कार की एक्स शोरूम कीमत 32.99 लाख रुपये से शुरू होती है जो 50.74 लाख रुपये एक्स-शोरूम तक जाती है।

Honda elevate

भारतीय बाजार में ये कार इसी साल लॉन्च हुई है। आते ही इस कार की डिमांड मार्केट में काफी तेजी से बढ़ गई। इस कार की ग्राउंड क्लीयरेंस 220 मिमी है। इस कार की कीमत 11 लाख रुपये से शुरू होकर टॉप वेरिएंट के लिए 16 लाख रुपये तक जाती है।

शौर्य की बुलंदी पर वीरभूमि का सैन्य पराक्रम

पी के खुराना

पहाड़ के सीने पर सजे ये आलातरीन सैन्य पदक मैदाने जंग में वीरभूमि के सैन्य पराक्रम की तस्दीक करते हैं, मगर इसके बावजूद शौर्य का धरातल सेना में अपने नाम की शिनाख्त 'हिमाचल रेजिमेंट' को एक मुद्दत से मोहताज है'

हिमाचल प्रदेश के रणबांकुरों के शौर्य पराक्रम का उल्लेख महाभारत युद्ध में भी हुआ है। लिहाजा सैन्य सम्मान 'वीरभूमि' राज्य के नाम प्राचीन से दर्ज है। जम्मू-कश्मीर की डोगरा सल्तनत के हिमाचली जरनैल जोरावर सिंह कहलूरिया ने जम्मू-कश्मीर रियासत की हदूद को बाल्टिस्तान, गिलगित, हुंजा, स्कर्दू से लेकर लद्दाख व तिब्बत के महाज तक विस्तार देकर अपनी शूरवीरता का एक विशाल शिलालेख लिख दिया था। कई सैन्य अभियानों में हिमाचल के सैनिकों की बहादुरी से प्रभावित होकर अंग्रेजों ने 37, 38 व 41वीं डोगरा बटालियनों का गठन किया था। उन तीन यूनिटों से ही 'डोगरा रेजिमेंट' की बुनियाद पड़ी थी। सन-1890 के दशक में भारत के पश्चिमी क्षेत्र यानी वर्तमान में पाकिस्तान का ऐबटाबाद, हुंजा व चित्राल क्षेत्र कबायली लड़ाकों के भयंकर विद्रोह से अशांत हो चुके थे। हिमाचली शूरवीर मे. ज. 'निहाल सिंह पठानिया' 1853-1926 जम्मू-कश्मीर रियासत की सेना के कमांडर थे। निहाल सिंह पठानिया ने सन-1891 में 'हुंजा' रियासत में एक कबायली किलेबंदी को ध्वस्त करने के लिए चलाए गए सैन्य अभियान 'ब्लैक माऊंटेन' में अहम भूमिका निभाई थी।

उसी सैन्य ऑपरेशन में 37वीं डोगरा के सैनिकों ने कबायली लश्कर को खामोश करके अदम्य साहस का परिचय दिया था। सन-1895 में 'चित्राल' के हुक्मरान 'उमरा खान' ने अंग्रेज हुकूमत के खिलाफ बगावत का ऐलान कर दिया था। चित्राल की उस भयंकर लड़ाई में 37 डोगरा यूनिट के जवानों ने कबायली लश्कर को शिकस्त देकर चित्राल, मोरा व शाहकोट क्षेत्रों पर कब्जा करके अपने शौर्य का लोहा मनवाया था। आपरेशन में डोगरा सैनिकों की जांबाजी से प्रभावित होकर अंग्रेज हुकूमत ने 37 डोगरा यूनिट को 'बैटल ऑनर' 'चित्राल' से नवाजा था। सन-1897 में पेशावर के नजदीक 'शबकदर' किले की भीषण जंग में अफरीदी कबायलियों के विद्रोह को भी 37 डोगरा के शूरवीरों ने ध्वस्त किया था। सन-1893 में बर्तानिया हुकूमत के राजनयिक 'हेनरी मार्टिमर डूरंड' ने अफगानिस्तान के हुक्मरान 'अमीर अब्दुल रहमान' को 'डूरंड रेखा' को सीमा रेखा मानने पर राजी कर लिया था। उस फैसले से खफा होकर पठानों ने वजीरिस्तान में बगावत को अंजाम देकर ब्रिटिश छावनी 'वाना' पर हमला करके कई सैनिकों को हलाक कर दिया था। अंग्रेज सैन्य अधिकारी 'टर्नर' की कयादत में '38 डोगरा' बटालियन के जांबाजों ने वजीरिस्तान में पठानों की उस मंसूबाबंदी को नेस्तनाबूद करने में अहम भूमिका निभाई थी। सन-1897 में 'मलाकंद' में मोहमंद व पशतून आदिवासियों द्वारा अंग्रेज हुकूमत के खिलाफ किए गए विद्रोह को दबाने के लिए ब्रिटिश सैन्य कमांडर 'विलियम होप निकलेजॉन' के नेतृत्व में मलाकंद में एक बड़ा सैन्य मिशन चलाया गया था। ब्रिटेन के प्रधानंमत्री रहे 'विंस्टन चर्चिल' भी सैन्य अधिकारी के रूप में मलाकंद के उस सैन्य अभियान में शामिल थे। पश्तून विद्रोह को शांत करने में डोगरा सैनिकों की बहादुरी से प्रभावित होकर अंग्रेज हुकूमत ने 38 डोगरा बटालियन को 'युद्ध सम्मान' 'मलाकंद' से नवाजा था। सन-1914 में पहली जंगे अजीम का आगाज हुआ था। सितंबर 1914 में हिमाचली शूरवीरों से सुसज्जित '41 डोगरा' बटालियन यूरोप के 'मार्सेल्स' युद्धक्षेत्र में पहुंच गई थी। मार्सेल्स के रण में डोगरा सैनिकों ने जर्मन सेना की तजवीज को ध्वस्त कर दिया था।

दिसंबर 1915 में 37 व 41 दोनों यूनिटें 'मैसोपोटामिया' में पहुंची। मैसोपोटामिया के महाज पर डोगरा सैनिकों ने जोरदार हमला करके तुर्क सेना की पेशकदमी को नाकाम कर दिया था। स्मरण रहे प्रथम विश्व युद्ध में 37 व 41 डोगरा यूनिटों का मुकाबला उम्दा हथियारों से लैस जर्मन व तुर्की की सेनाओं से हुआ था। सैंकड़ों डोगरा सैनिक वीरगति को प्राप्त हो गए, मगर मैदाने जंग में दुश्मन को पीठ नहीं दिखाई। जनवरी 1916 में बगदाद के नजदीक 'शेखसाद' के अग्रिम मोर्चे पर जंग लड़ रही 37 डोगरा बटालियन में बिलासपुर के बड़ागांव निवासी 'भाग सिंह चंदेल' सूबेदार मेजर के पद पर तैनात थे। शेखसाद की शदीद जंग में भाग सिंह चंदेल जख्मी हो गए थे, मगर तुर्कों पर हमले में अपने सैनिकों का वीरता से नेतृत्व करते रहे। प्रथम विश्व युद्ध में साहस व उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व के लिए अंग्रेज हुकूमत ने 'भाग सिंह चंदेल' को 'इंडियन आर्डर ऑफ मेरिट' के मेडल तथा 'बहादुर' की उपाधि से अलंकृत किया था। मैसोपोटामिया के मोर्चे पर 21 जनवरी 1916 को 'अल हना' की जंग में निर्भिक सैन्य निष्ठा का परिचय देने वाले '41 डोगरा' के हिमाचली शूरवीर नायक 'लाला राम' को ब्रिटिश हुकूमत ने अपने सर्वोच्च सैन्य पदक 'विक्टोरिया क्रॉस' से नवाजा था। प्रथम विश्व युद्ध में कुल नौ भारतीय सैनिक विक्टोरिया क्रॉस विजेता थे, जिनमें हिमाचल के प्रथम विक्टोरिया क्रॉस जमादार लाला राम भी शामिल थे। जम्मू-कश्मीर रियासत की सेना के अधिकारी रहे हिमाचली सपूत मे. ज. 'जनक सिंह कटोच' तथा 'रघबीर सिंह पठानिया' को भी पहली जंगे अजीम में दास्तान-ए-शुजात के लिए अंग्रेज हुकूमत ने 'इंडियन आर्डर ऑफ मैरिट' के मेडल से अलंकृत किया था।

यह जिक्र करना लाजिमी है कि अंग्रेज लेखक 'फिलिप मेसन' ने अपनी किताब 'ए मैटर ऑफ ऑनर' में पहली जंगे अजीम में विदेशी धरती पर बहादुरी का अफसाना लिखने वाले डोगरा रेजिमेंट के सैनिकों की शूरवीरता को पूरी तफसील से बयान किया था। बहरहाल महाभारत युद्ध से लेकर दो विश्व युद्ध, आजाद हिंद फौज व देश के लिए पांच बड़े युद्ध तथा अन्य सैन्य अभियानों में प्रदेश के रणबांकुरों ने अपनी शूरवीरता के कई मजमून लिखे हैं। जंगे अजीम में दो विक्टोरिया क्रॉस, मिलिट्री क्रॉस, जार्ज क्रॉस तथा आजादी के बाद चार परमवीर चक्र, तेरह महावीर चक्र व तीन अशोक चक्र पहाड़ के सीने पर सजे ये आलातरीन सैन्य पदक मैदाने जंग में वीरभूमि के सैन्य पराक्रम की तस्दीक करते हैं, मगर इसके बावजूद शौर्य का धरातल सेना में अपने नाम की शिनाख्त 'हिमाचल रेजिमेंट' को एक मुद्दत से मोहताज है। मुल्क के हुक्मरान इस मुद्दे पर तवज्जो फरमाएं। सेना को 'आर्मी डे' की बहुत-बहुत शुभ कामनाएं।

संपादक की कलम से

राम मंदिर से दूर क्यों कांग्रेस

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आमंत्रण अस्वीकार कर कांग्रेस ने धर्म को निजी मामला माना है, लेकिन उसकी आरोपिया दलीलें भी हैं कि 'अधूरे मंदिर' का उद्घाटन शास्त्र सम्मत नहीं है। यह आरएसएस-भाजपा का कार्यक्रम है और उन्होंने 'राजनीतिक लाभ' के लिए ऐसा किया है। कांग्रेस ने शंकराचार्यों द्वारा भी आमंत्रण अस्वीकार करने की आड़ ली है, जो अद्र्धसत्य है। शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती की टीम प्राण-प्रतिष्ठा की प्रक्रिया का एक हिस्सा है। इसके अलावा, दो शंकराचार्यों ने अपनी स्वीकृति भेज दी है कि वे 22 जनवरी के पावन उत्सव में शामिल होंगे। शेष दो शंकराचार्यों के अपने कोई कारण होंगे, लेकिन उन्होंने प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा को खारिज नहीं किया है। कांग्रेस के शीर्षस्थ नेताओं के लिए राम मंदिर समारोह 'अधूरे मंदिर की सियासत' है, लेकिन उप्र कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय के साथ जो 50 कांग्रेसी नेता मकर संक्रांति के अगले ही दिन अयोध्या की सरयू नदी में डुबकी लगाने और फिर 'राम लला' के दर्शन करने जा रहे हैं, उनके रामवाद और हिंदुत्व की परिभाषा क्या है? कांग्रेस के बड़े नेता कमलनाथ, अशोक गहलोत और गांधी परिवार के प्रिय आचार्य प्रमोद कृष्णम आदि की लंबी सूची है, जो चेतना से 'रामवादी' होने का दावा करते रहे हैं और प्रभु राम के दर्शन करने, अपनी सुविधा के अनुसार, अयोध्या धाम जाएंगे। कांग्रेस के भीतर यह विरोधाभास क्यों है? कांग्रेस ऐसे आध्यात्मिक और ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बने या राजनीतिक कारणों से बहिष्कार करे, यह उसकी सोच है।

उससे हमारा कोई सरोकार नहीं, लेकिन वह 'आत्मघाती' साबित हो सकता है। समारोह को संघ परिवार का ही आयोजन करार देना पूर्णतः उचित नहीं है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनना चाहिए, यह सर्वोच्च अदालत की पांच न्यायाधीशों की पीठ का निर्णय था। संविधान पीठ ने ही प्रधानमंत्री मोदी को निर्देश दिए थे कि वह मंदिर-निर्माण के लिए एक ट्रस्ट का गठन करें। वह निर्णय कैबिनेट में लिया गया। यदि अयोध्या समारोह में भाजपा-विहिप के नेता, कार्यकर्ता सक्रिय दिख रहे हैं, तो उसमें क्या गलत है? संघ परिवार ने राम मंदिर के लिए बेहद लंबा संघर्ष किया है, आंदोलन में कारसेवकों ने 'कुर्बानियां' दी हैं। यदि इतने व्यापक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और उनकी सरकारी टीम शामिल नहीं होगी, तो आम बंदोबस्त से लेकर सुरक्षा-व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी होगी? यदि इन दिनों में कोई अनहोनी हो गई, तो किसकी जवाबदेही तय की जाएगी? प्रशासन और इन व्यवस्थाओं के लिए भाजपा को लोकतांत्रिक जनादेश मिला है। बहरहाल कांग्रेस ने राम मंदिर का बहिष्कार किया है, तो यह उसकी पुरानी आदत है। श्रीराम तो सबके हैं और सभी 'राममय' हैं।

राम भाजपा-कांग्रेस के नहीं हो सकते। एक राजनीतिक कारण तो स्पष्ट है कि अधिकतर उत्तरी भारत के राज्यों में कांग्रेस के पक्ष में 50 फीसदी तक मुस्लिम वोट आते रहे हैं। औसतन सबसे अधिक मुसलमान कांग्रेस को ही वोट देते हैं। आखिर कांग्रेस 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की निश्चित राजनीति को कैसे गंवा सकती है? हिंदुओं के वोट कांग्रेस के पक्ष में परंपरागत ही रह गए हैं। जहां भाजपा के साथ उसका सीधा चुनावी मुकाबला है, उन सीटों पर 70 फीसदी से अधिक हिंदू भाजपा को वोट देते हैं। यथार्थ यह है कि कांग्रेस सोच के स्तर पर हिंदू-विरोधी या राम-विरोधी नहीं है। महात्मा गांधी की दिनचर्या ही 'राम नाम' से होती थी। राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए राम मंदिर का ताला खुलवाया था।

चर्चा

पर्यटन अमावस्या से बचें

पर्यटनकी खिड़कियां पूछ रहीं, वह सामने क्यों टांग दी उलटी तस्वीर। ये जन्नत की निगाहों में क्यों फंस गए तिनके, बहारों के आंचल में तो ऐसा कुछ न था। हिमाचल यूं तो पर्यटन राज्य की तासीर में फलता-फूलता दिखाई देता है, लेकिन इन आंकड़ों में खुशहाली नहीं।

शीतकालीन पर्यटन की अमावस्या इस बार पर्यटन के चांद को छुपा रही है कहीं, इसलिए नववर्ष की आंधी कहीं लौट गई। जो रास्ते पर्यटन की पदचाप सुनाते थे, वे आज अपनी शिकायत दर्ज करा रहे हैं। शायद इन्हीं शिकायतों को सुनकर हिमाचल पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष रघुवीर सिंह बाली ने नजर दौड़ाई तो देखा सरकारी होटलों ने मुस्कराना छोड़ दिया और आक्यूपेंसी की घटती दर ने गंभीर चुनौती दे दी। अगर निजी वोल्वो बसों की आमद में सैलानी खोजे जाएं, तो एक वसंत वहां है, लेकिन यह कारवां नहीं कि मंजिलें फतह मान ली जाएं। शुक्र यह कि पहली बार कोई अध्यक्ष पर्यटन विकास निगम की होटल इकाइयों के अस्तित्व से जुड़े प्रश्न उन्हीं के प्रबंधकों से पूछ रहा। जाहिर है आक्यूपेंसी बढ़ाने का लक्ष्य बड़ा है, लेकिन इससे पहले इसके घटने की वजह भी तो खोजी जाए। सरकारी होटलों ने अपनी क्षमता के अनुरूप या तो व्यवहार करना नहीं सीखा या प्रबंधन की जरूरत में व्यावसायिकता अर्जित नहीं की, वरना पर्यटन के अवसर निजी होटलों की ओर क्यों सरकते।

विश्वसनीयता के हिसाब से पर्यटकों के लिए सरकारी होटलों के प्रति जो रुझान स्वाभाविक भी था, उसने क्यों परिवर्तित दिशा पकड़ ली। यह भी एक सत्य है कि सरकारी होटलों के दायरे में श्रेष्ठ समझे गए कुछ प्रबंधकों ने अपने सेवा काल का उपयोग या तो राजनीतिक संबंध बनाने में किया या अपनी क्षमता के अनुरूप निजी होटल बनाने में किया।

आरएस बाली सर्वेक्षण से पता लगा सकते हैं कि पर्यटन विकास निगम के बगल में इसी के प्रबंधकों ने निजी होटल छिपा रखे हैं। एक मूल्यांकन पर्यटन इकाइयों का भी जरूरी है ताकि पता चले कि ये निकम्मी क्यों साबित हो रही हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में होटल चलाने की आवश्यकताओं में यह फर्ज भी नत्थी है कि ये पर्यटन का नेतृत्व करें, लिहाजा बदलते उद्योग की संज्ञा में उद्देश्य भी बदलने होंगे। पर्यटन निगम के होटलों को अपनी मार्केटिंग रणनीति में बदलाव करते हुए बुकिंग के बदलते संसार में, ऑनलाइन प्रयास से निजी कंपनियों से जुडना चाहिए। विडंबना यह है कि हिमाचल में निजी क्षेत्र के साथ सरकारी फाइल जुडना नहीं चाहती। हिमाचल में हाई एंड टूरिस्ट, युवा सैलानी तथा पहाड़ों की तलाश में देश को खोज रहे पर्यटक नई संभावना पैदा कर रहे हैं, अतः पर्यटन निगम को कुछ होटलों को ए, कुछ को बी तथा अन्य को सी श्रेणी में विभक्त करके मार्केटिंग प्रयास करने होंगे। शिमला के ट्रिपल एच, होटल धौलाधार, मनाली व धर्मशाला के क्लब हाउस, मनाली के लॉग हट तथा कोर्ट आदेश पर वापस मिल रहे वाइल्ड फ्लावर हॉल को प्रीमियर होटलों की दृष्टि से हाई एंड टूरिस्ट की मांग से जोडना होगा। बजट टूरिस्ट की दृष्टि से अन्य होटलों को सुविधाजनक दरों तथा अन्य इकाइयों को युवा पर्यटक की जरूरतों तथा छात्रावास जैसे अनुभव के लिए निर्धारित करना होगा। हिमाचल पर्यटन विकास निगम को निजी वोल्वो बसों तथा ट्रैवल एजेंसियों के साथ मिलकर ऐसे पैकेज बनाने होंगे, जो युवा पर्यटकों को पूरे हिमाचल की सैर व स्टे करवाने के लिए तत्पर रहें।

भानु धमीजा

सुरक्षा तो हमारी संसद की सबसे छोटी समस्या है

यही कारण हैं कि संसद बहस के लिए निरर्थक हो चुकी है। इतिहास बताता है कि हमारी संसद दशकों से बिना बहस के कानून पारित करती रही है। कुछ उदाहरणों पर गौर करें : 1990 में चंद्रशेखर सरकार ने दो घंटे से भी कम समय में 18 विधेयक पारित किए; 2001 में 32 घंटों में 33 बिल पारित किए गए; 2007 में लोकसभा ने 15 मिनट में तीन विधेयक पारित किए; 2021 में 20 विधेयक बिना किसी बहस के पारित हुए। वर्ष 1973 के बाद से लोकसभा सीटों की संख्या में कोई संशोधन नहीं किया गया है।

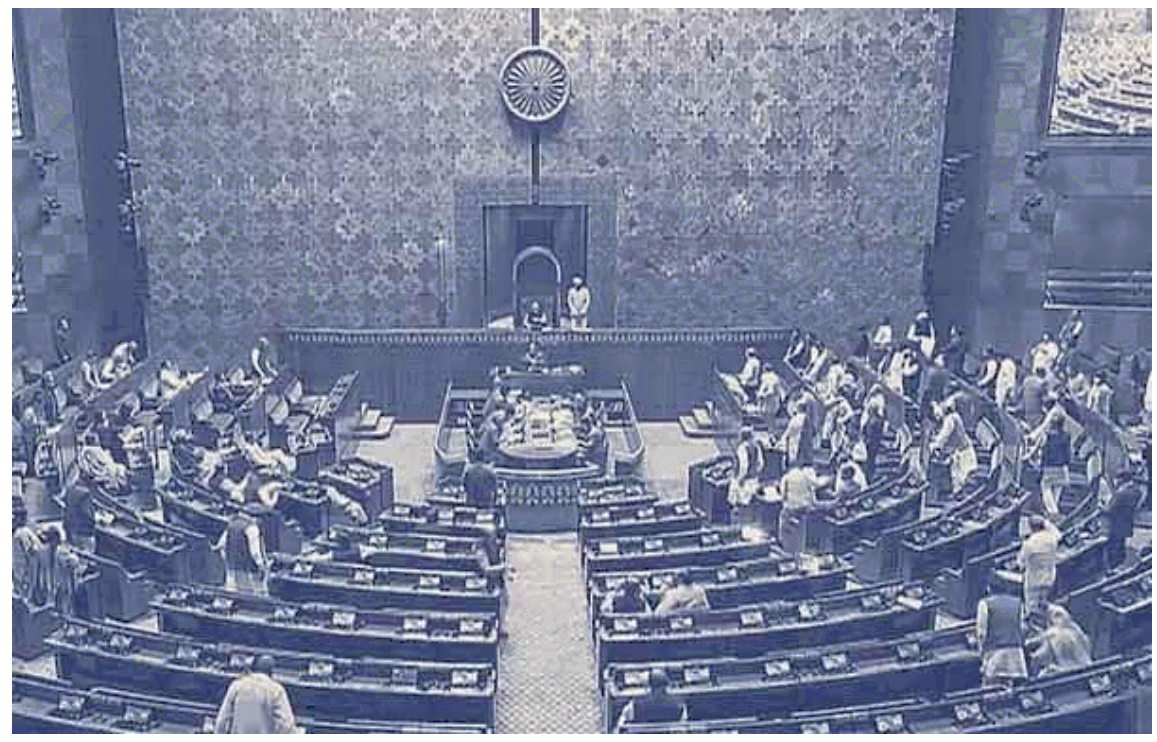

पिछले माह तीन युवकों और एक महिला ने संसद की सुरक्षा का उल्लंघन किया और सांसद के चैंबर के साथ-साथ इमारत के बाहर भी हंगामा किया और 'भगत सिंह जिंदाबाद' और 'निरंकुशता नहीं चलेगी' जैसे नारे लगाए। सुरक्षा की चिंताओं पर हमारे राजनीतिक दलों को एकजुट करने के बजाय, इस घटना ने एक राजनीतिक हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष का दावा है कि यह दिखाता है कि युवा सरकार की नीतियों से असंतुष्ट हैं। सरकार का कहना है कि विपक्ष अराजकता फैला रहा है और चुनावों में अपनी हालिया हार के बाद इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है। संसद में विपक्ष के विरोध के कारण उनके 140 से अधिक सांसदों को लोकसभा और राज्यसभा दोनों से 'अनियंत्रित व्यवहार' के लिए निलंबित कर दिया गया। और दोनों सदनों को बिना कोई कामकाज किए कई दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया।

यह घटना दिखाती है कि हमारी संसद व्यवधान और विरोध का स्थान बन गई है, और इसके अलावा इसका कोई उपयोग नहीं। संसदीय निष्क्रियता हर गुजरते साल के साथ बढ़ रही है क्योंकि इसके डिजाइन में कुछ गंभीर, मौलिक खामियां हैं।

सबसे पहले इस विषय पर विचार करें कि संसद का नियंत्रण किसके हाथों में है। हमारी संसद में राष्ट्रपति और दो सदन – लोकसभा और राज्यसभा शामिल हैं। राष्ट्रपति के पास किसी भी सदन को बुलाने, सत्रावसान करने या भंग करने की शक्ति है। लेकिन राष्ट्रपति उद्घाटन भाषण देने के अलावा संसद में कहीं नजर नहीं आते हैं। हमारे संविधान ने राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री के अधीन बना दिया है।

यह परिस्थिति जवाबदेही की एक घुमावदार समस्या पैदा करती है, क्योंकि प्रधानमंत्री को संसद द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए, न कि उलट। पीएम लोकसभा में बहुमत का नेता होने के नाते सदन के अध्यक्ष का चुनाव करता है और इस प्रकार सदन को नियंत्रित करता है। जब बहुमत मजबूत हो – जैसा कि अभी है – तो प्रधानमंत्री उपराष्ट्रपति, यानी राज्यसभा के पीठासीन अधिकारी को भी चुन सकते हैं। इस प्रकार, वास्तव में, संसद भी प्रधानमंत्री के अधीन है।

यह घुमावदार समस्या भारत द्वारा ब्रिटिश संसदीय प्रणाली को अपनाने से बहुत पहले स्पष्ट थी। ब्रिटिश संवैधानिक विद्वान आइवर जेनिंग्स ने 1941 में लिखा था, 'सिद्धांत यह है कि सदन सरकार को नियंत्रित करता है। हालांकि, सच्चाई यह है कि सरकार के बहुमत का सदस्य अपनी सरकार को हराना नहीं चाहता है।'

भारतीय सिस्टम में संसद केवल प्रधानमंत्री के नियंत्रण में ही नहीं, बल्कि न तो वह और न ही उनका मंत्रिमंडल सदन में किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य हैं। सांसदों के सवाल पूछने और मंत्रियों के जवाब देने की प्रथा पूरी तरह से परंपरा पर आधारित है। यहां तक कि इंग्लैंड में भी ब्रिटिश पीएम संसद में सवालों के जवाब देने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य नहीं हैं। यह प्रथा लगातार रूप से केवल 1961 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री हेरोल्ड मैकमिलन के कार्यकाल में शुरू हुई। इसे ब्रिटिश कानूनों में स्पष्ट रूप से नहीं लिखा गया है।

भारतीय संसद का एक और बुनियादी दोष यह है कि यह हमारे विशाल और विविध राष्ट्र का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व करती है, जिस कारण यह वास्तव में राष्ट्रीय चर्चाओं के लिए अनुपयुक्त है। अन्य लोकतांत्रिक देशों की तुलना में हमारी संसद नागरिकों का कम प्रतिनिधित्व करती है और यह उत्तरी प्रदेशों के पक्ष में एकतरफा है। औसतन, एक भारतीय सांसद 2.4 मिलियन नागरिकों का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि अमरीका में यह संख्या 748,000 है; पाकिस्तान में यह 576,000 है, और जापान में केवल 273,000 है। राजनीतिक विश्लेषक मिलन वैष्णव और जेमी हिंटसन का अनुमान है कि 2011 की जनगणना के आधार पर लोकसभा में सांसदों की संख्या 545 से बढक़र 848 हो जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश में 143 सीटें और केरल में केवल 20 सीटें होनी चाहिए। वर्ष 1973 के बाद से लोकसभा सीटों की संख्या में कोई संशोधन नहीं किया गया है।

यह कम प्रतिनिधित्व वाली संसद और भी निष्क्रिय हो जाती है क्योंकि हमारे सांसदों को दल-बदल विरोधी कानूनों के तहत अपनी अंतरात्मा के आधार पर वोट देने की अनुमति नहीं है। उन्हें पार्टी लाइन का पालन करना आवश्यक है। भारत के प्रतिष्ठित संवैधानिक विद्वान एजी नूरानी ने लिखा है कि यह 'विधायकों को बंधक बना देता है।' इस संसदीय प्रणाली के तहत प्रधानमंत्री को बहुमत की गारंटी होती है।

भारतीय सिस्टम में संसद केवल प्रधानमंत्री के नियंत्रण में ही नहीं, बल्कि न तो वह और न ही उनका मंत्रिमंडल सदन में किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य हैं। सांसदों के सवाल पूछने और मंत्रियों के जवाब देने की प्रथा पूरी तरह से परंपरा पर आधारित है। यहां तक कि इंग्लैंड में भी ब्रिटिश पीएम संसद में सवालों के जवाब देने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य नहीं हैं। यह प्रथा लगातार रूप से केवल 1961 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री हेरोल्ड मैकमिलन के कार्यकाल में शुरू हुई। इसे ब्रिटिश कानूनों में स्पष्ट रूप से नहीं लिखा गया है। भारतीय संसद का एक और बुनियादी दोष यह है कि यह हमारे विशाल और विविध राष्ट्र का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व करती है, जिस कारण यह वास्तव में राष्ट्रीय चर्चाओं के लिए अनुपयुक्त है। अन्य लोकतांत्रिक देशों की तुलना में हमारी संसद नागरिकों का कम प्रतिनिधित्व करती है और यह उत्तरी प्रदेशों के पक्ष में एकतरफा है। औसतन, एक भारतीय सांसद 2.4 मिलियन नागरिकों का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि अमरीका में यह संख्या 748,000 है; पाकिस्तान में यह 576,000 है, और जापान में केवल 273,000 है। राजनीतिक विश्लेषक मिलन वैष्णव और जेमी हिंटसन का अनुमान है कि 2011 की जनगणना के आधार पर लोकसभा में सांसदों की संख्या 545 से बढक़र 848 हो जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश में 143 सीटें और केरल में केवल 20 सीटें होनी चाहिए।

ये सब दोष हमारी संसद को एक घातक संयोजन बना देते हैं — एक प्रधानमंत्री द्वारा नियंत्रित संस्था, जिसे उनके चुने हुए पीठासीन अधिकारियों द्वारा चलाया जाए, जिसमें सांसदों का बहुमत निश्चित हो, और जिन्हें अपनी पार्टी लाइन के साथ मतदान करना जरूरी हो।

यही कारण हैं कि संसद बहस के लिए निरर्थक हो चुकी है। इतिहास बताता है कि हमारी संसद दशकों से बिना बहस के कानून पारित करती रही है। कुछ उदाहरणों पर गौर करें : 1990 में चंद्रशेखर सरकार ने दो घंटे से भी कम समय में 18 विधेयक पारित किए; 2001 में 32 घंटों में 33 बिल पारित किए गए; 2007 में लोकसभा ने 15 मिनट में तीन विधेयक पारित किए; 2021 में 20 विधेयक बिना किसी बहस के पारित हुए। स्वाभाविक है कि लोकसभा की बैठकों में भी कमी आई है। यह 1952-70 में प्रत्येक वर्ष 121 दिनों के लिए बैठती थी, लेकिन अब औसत केवल 68 दिन है।

सांसदों के निलंबन के साथ भी यही कहानी है : अध्यक्ष के पास विशेषाधिकार है और वह वही करता है जो बहुमत चाहता है। यह प्रथा 1954 में शुरू हुई जब राज नारायण को राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया; उन्हें कुल चार बार निलंबित किया गया। 1962 में कांग्रेसी गोदे मुराहारी को सदन से मार्शल द्वारा हटाया गया था। यूपीए शासन के दौरान 50 निलंबन हुए थे, एनडीए पहले ही दोगुनी संख्या से अधिक निलंबित कर चुका है। पिछले हफ्ते, स्पीकर ने एक सांसद को अमर्यादित व्यवहार के लिए निलंबित कर दिया, लेकिन वह व्यक्ति उस समय सदन में भी नहीं था।

दशकों से हम भारतीय प्रजातंत्र नहीं, बल्कि एक 'चुनावी निरंकुशता' की ओर बढ़ते जा रहे हैं। यह खिताब (यानी चुनाव हैं, पर सरकारें निरंकुश) वर्ष 2021 में भारत को स्वीडन की संस्था वी-डेम इंस्टीट्यूट द्वारा दिया गया। यदि हम वास्तव में एक बेहतर लोकतंत्र चाहते हैं, तो हमें अपनी प्रणाली की मूलभूत खामियों को ठीक करना होगा।

भानु धमीजा

क्या होता है अंतरिम बजट और कब किया जाएगा पेश, यहां जानें सारी जरूरी जानकारी

भारत की केंद्र वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण जल्द ही अतरिंम बजट पेश करने वाली है। क्या आप भी इन सवालों का जवाब चाहते हैं कि आम बजट और अंतरिम बजट में क्या फर्क है और ये कम पेश किया जाएगा? ऐसे में हम आपको इसकी पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। यहां आपको 2023-24 अंतरिम बजट से जुड़ी सारी जानकारी दी जाएगी।

नई दिल्ली। जैसा कि हम जानते हैं कि केंद्र सरकार जल्द ही बजट पेश करने के लिए तैयार है। मगर इस बार का बजट अंतरिम बजट होगा, क्योंकि इस साल में आम चुनाव होने वाले हैं। अब सवाल ये उठता है कि अंतरिम बजट क्या होता है और यह आम बजट से कैसे अलग है।

आपके इस सारे सवालों के जवाब हम यहां देने वाले हैं। हम आपको बताएंगे कि अंतरिम और आम बजट में क्या फर्क होता है और इस बार बजट कब और इसके द्वारा पेश किया जाएगा। आइये इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

कब पेश होगा बजट

सबसे पहले जानते हैं कि बजट कब पेश किया जाएगा। बता दें कि केंद्र वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2024 को सुबह 11:00 बजे संसद में अंतरिम बजट 2024-2025 पेश करने वाली हैं।

जैसा कि हम बता चुके है कि इस साल देश में चुनाव होने वाले हैं और ये एक अतरिंम बजट होगा । ऐसे में आपके लिए ये जानना जरूरी है कि अंतरिम बजट क्या होता है।

अंतरिम बजट एक अस्थायी वित्तीय बजट है , जो सरकार द्वारा तैयार किया जाता हैं। यह बजट तब तक मान्य होता है, जब तक नई सरकार शासन नहीं संभाल लेती है।

क्या होता है अंतरिम बजट

जैसा कि हम बता चुके है कि अंतरिम बजट , सलाना या आम बजट से अलग होता है। इसमें वित्तीय वर्ष के शुरुआती महीनों को कवर करने वाला एक छोटा बजट बनाया है। इस बजट से सरकार अपनी आय और व्यय की रूपरेखा तैयार करता है, जिससे वह चुनाव के बाद नई सरकार के गठन तक खर्चों का आसानी से मैनेज कर सकें।

ये बजट तब ही पेश किया जाता है, जब सरकार के कार्यकाल का अंतिम समय चल रहा हो और कुछ महीनों में चुनाव होने वाले हो।

यह एक अस्थायी होता है, जिसमें इस बात का ध्यान रखा जाता है कि सरकारी खर्च और संचालन तब तक जारी रहें जब तक कि नई सरकार नहीं बन जाती या चुनाव के बाद पूरा बजट पेश नहीं किया जाता।

अगर आम बजट की बात करें तो यह पूरे साल का बजट होता है और पूरे वित्तीय वर्ष को कवर करता है। इसमें राजस्व, व्यय, नीतिगत पहल, आर्थिक अनुमान, कर प्रस्ताव और अन्य वित्तीय खर्चों को जगह दी जाती है।

बिनांस, कुकोइन समेत कई टॉप क्रिप्टो एक्सचेंज की वेबसाइटें ब्लॉक

केंद्र सरकार ने बिनांस कुकोइन ओकेएक्स जैसे कुछ शीर्ष वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों की वेबसाइटों को भारत में ब्लाक कर दिया है। यह कदम सरकार द्वारा इन वेबसाइटों की ओर से देश के मनी लांड्रिग कानूनों का पालन नहीं करने के चलते 12 जनवरी को उठाया गया। इससे पहले इन क्रिप्टो एक्सचेंजों को कारण नोटिस भेजा गया था क्योंकि ये पंजीकरण और स्थानीय कर नियमों का पालन करने में विफल रहीं।

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने बिनांस, कुकोइन, ओकेएक्स जैसे कुछ शीर्ष वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों की वेबसाइटों को भारत में ब्लाक कर दिया है। यह कदम सरकार द्वारा इन वेबसाइटों की ओर से देश के मनी लांड्रिग कानूनों का पालन नहीं करने के चलते 12 जनवरी को उठाया गया। इससे पहले इन क्रिप्टो एक्सचेंजों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया था।

पहले ही भेजा गया था नोटिस

पिछले साल 28 दिसंबर को भारत में अवैध रूप से संचालन के लिए बिनांस, कुकोइन, हाउबी, क्रैकन, गेट आओ, बिट्रूरेक्स, बिटस्टैंप, एमईएक्ससी ग्लोबल और बिटफिनेक्स को कारण बताओ नोटिस भेजा गया था। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, इन कंपनियों को नोटिस थमाने की वजह थी कि ये कंपनियां पंजीकरण और स्थानीय कर नियमों का पालन करने में विफल रहीं।

इसके चलते वित्त मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को उनके यूआरएल को ब्लाक करने का निर्देश दिया।बिनांस के ग्राहक सहायता केंद्र ने भी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हम बिनांस सहित कई क्रिप्टो फर्मों की आइपी ब्लाक करने संबंधित उठाए गए कदम से परिचित हैं।

इन यूजर्स को करता है प्रभावित

यह केवल उन उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करता है जो भारत से इंडियन आइओएस ऐप स्टोर या बिनांस वेबसाइट तक पहुंचने का प्रयास करते हैं। मौजूदा उपयोगकर्ता जिनके पास पहले से ही बिनांस एप है, वे प्रभावित नहीं होंगे।

साथ ही इसमें कहा गया है कि हम स्थानीय नियमों और कानूनों का पालन करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हम उपयोगकर्ता सुरक्षा और वेब-3 उद्योग के विकास को सुनिश्चित करने के लिए नियामकों के साथ निरंतर संचार बनाए रखने को समर्पित हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में एपल ने भी अपने एप स्टोर से बिनांस, कुकोइन समेत कई वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों को हटा दिया था।

अमेरिका का बिजनेस वीजा मिलने में लगेगा कम समय, यहां जानें पूरी डिटेल

शुक्रवार को 14वीं टीपीएफ बैठक के दौरान चर्चा में अमेरिका के लिए समय पर वीजा पाने में आ रही समस्याओं के बारे में अपनी चिंताओं को उजागर किया गया है। इसकी सह-अध्यक्षता अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की।देशों के बीच पेशेवर और कुशल श्रमिकों छात्रों निवेशकों और व्यापारिक आगंतुकों की आवाजाही द्विपक्षीय आर्थिक और तकनीकी साझेदारी को बढ़ाने में काफी योगदान देगी।

नई दिल्ली। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि भारत ने व्यापार नीति फोरम (TPF) की बैठक में घरेलू व्यवसायों को अमेरिका के लिए समय पर वीजा पाने में आ रही समस्याओं के बारे में अपनी चिंताओं को उजागर किया है। अमेरिका से इस प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया है।

यह मुद्दा शुक्रवार को यहां 14वीं टीपीएफ बैठक के दौरान चर्चा में आया। इसकी सह-अध्यक्षता अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की।

आर्थिक और तकनीकी साझेदारी को बढ़ावा

वाणिज्य मंत्रालय ने बताया है कि कि दोनों मंत्रियों ने कहा कि देशों के बीच पेशेवर और कुशल श्रमिकों, छात्रों, निवेशकों और व्यापारिक आगंतुकों की आवाजाही द्विपक्षीय आर्थिक और तकनीकी साझेदारी को बढ़ाने में काफी योगदान देती है।

बयान में कहा गया कि मंत्री गोयल ने वीजा प्रोसेसिंग समय अवधि के कारण भारत से व्यापार आगंतुकों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला और अमेरिका से प्रसंस्करण बढ़ाने का अनुरोध किया।

मंत्रियों ने देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने में पेशेवर सेवाओं की भूमिका को भी स्वीकार किया और कहा कि पेशेवर योग्यता और अनुभव की मान्यता से संबंधित मुद्दे सेवा व्यापार को सुविधाजनक बना सकते हैं।

इसमें कहा गया है कि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने के लिए एक तंत्र स्थापित करने पर सहमत हुए हैं।

झींगा के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने की मांग

बैठक में भारतीय पक्ष ने जंगली पकड़े गए झींगा के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने की भी मांग की क्योंकि इस प्रतिबंध से भारतीय मछुआरों और निर्यात पर असर पड़ रहा है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि मंत्रियों ने गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने के लिए एक संयुक्त सुविधा तंत्र (जेएफएम) स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की।

इसके तहत, देश अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं से पारस्परिक रूप से मान्यता प्राप्त परिणामों पर गौर करेंगे और जब भी संभव हो द्विपक्षीय आधार पर पारस्परिक मान्यता व्यवस्था स्थापित करेंगे। इससे डुप्लिकेट परीक्षण आवश्यकताओं को खत्म कर दिया जाएगा और उच्च गुणवत्ता वाले सामानों के व्यापार के लिए अनुपालन लागत कम हो जाएगी।

बयान में यह भी कहा गया कि दोनों पक्षों ने इस बात पर चर्चा की कि भविष्य में सामाजिक सुरक्षा समग्रीकरण समझौते के लिए प्रतिबद्धता को कैसे तेज किया जाए। यह समझौता टीपीएफ में भारतीय पक्ष की प्रमुख मांगों में से एक है, जो देशों के बीच सेवा व्यापार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा और उन भारतीय आईटी पेशेवरों की मदद करेगा जो अस्थायी रूप से अमेरिका में काम करते हैं।

इसके अलावा, मंत्री महत्वपूर्ण खनिजों, सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा, आपूर्ति श्रृंखला और उच्च तकनीक उत्पादों में व्यापार सहित क्षेत्रों में भविष्य की संयुक्त पहल शुरू करने पर सहमत हुए। इसमें कहा गया है कि दोनों देश आर्थिक रूप से सार्थक परिणाम प्राप्त करने के लिए सहयोग बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी और दूरदर्शी रोडमैप विकसित करेंगे।

भारत ने महामारी-पूर्व स्तर तक पहुंचने के लिए भारत में अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) द्वारा निरीक्षणों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

BRO के कैजुअल मजदूरों के लिए खुशखबरी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 10 लाख रुपये के बीमा को दी मंजूरी

परिवहन विशेष न्यूज

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चल रहे परियोजना कार्यों के लिए सीमा सड़क संगठन/जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स द्वारा नियुक्त कैजुअल पेड मजदूरों (सीपीएल) के लिए एक समूह (टर्म) बीमा योजना शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। खतरनाक कार्य स्थलों खराब मौसम दुर्गम इलाके और व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों में तैनात सीपीएल के जीवन के लिए गंभीर जोखिम को ध्यान में रखते हुए इसे पेश किया गया है।

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को सीमा सड़क संगठन (BRO), परियोजना कार्यो में जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स द्वारा नियोजित कैजुअल पेड मजदूरों (CPL) के लिए एक समूह (टर्म) बीमा योजना शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह योजना परियोजना के दौरान किसी मजदूर की मृत्यु होने पर उसके निकटतम परिजन को बीमा के रूप में 10 लाख रुपये का बीमा मूल्य प्रदान करेगी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार खतरनाक कार्य स्थलों, खराब मौसम, दुर्गम इलाके और व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों में तैनात सीपीएल के जीवन के लिए गंभीर जोखिम को ध्यान में रखते हुए और उनकी काम के दौरान हुई मौतों पर विचार करते हुए पेश किया गया।

कैजुअल पेड मजदूरों के लिए बीमा योजना

मानवीय आधार पर बीमा कवरेज का प्रावधान सीपीएल के लिए एक बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला साबित होगा। यह योजना देश के दूरदराज और दूर-दराज के क्षेत्रों में काम करने वाले सीपीएल के लिए एक सामाजिक सुरक्षा और कल्याण उपाय के रूप में काम करेगी। इसमें कहा गया है कि इससे उनके परिवारों की आजीविका सुरक्षित करने में काफी मदद मिलेगी।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रक्षा मंत्री ने हाल ही में सीपीएल की बेहतरी के लिए कई कल्याणकारी उपायों को मंजूरी दी है। इनमें नश्वर अवशेषों का संरक्षण और परिवहन और परिचारक का परिवहन भत्ता अधिकार शामिल हैं।

सीपीएल की बेहतरी के लिए कई उपाय

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रक्षा मंत्री ने हाल ही में सीपीएल की बेहतरी के लिए कई कल्याणकारी उपायों को मंजूरी दी है। इनमें नश्वर अवशेषों का संरक्षण और परिवहन और परिचारक का परिवहन भत्ता अधिकार शामिल हैं।

इसके साथ ही अंत्येष्टि सहायता को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये किया गया। मृत्यु आदि के मामले में तत्काल सहायता के रूप में 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि के विरुद्ध अग्रिम भुगतान का भी प्रावधान है।

खाद्य महंगाई को लेकर सरकार सतर्क, गेहूं, प्याज, चीनी के निर्यात पर जारी रहेंगे प्रतिबंध

उपभोक्ता मामले के मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि फिलहाल गेहूं प्याज चीनी व सामान्य चावल जैसे खाद्य आइटम के निर्यात पर लगी पाबंदी जारी रहेगी। इन वस्तुओं के निर्यात पर पाबंदी हटते ही इनकी खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका है। चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध जारी रहेगी लेकिन चीनी के आयात का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता।

नई दिल्ली। खाद्य महंगाई को लेकर सरकार पूरी तरह से सतर्क दिख रही है। उपभोक्ता मामले के मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि फिलहाल गेहूं, प्याज, चीनी व सामान्य चावल जैसे खाद्य आइटम के निर्यात पर लगी पाबंदी जारी रहेगी। इन वस्तुओं के निर्यात पर पाबंदी हटते ही इनकी खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका है।

उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हित का भी ध्यान रख रही है, तभी सरकारी स्तर पर प्याज की भरपूर खरीदारी की जा रही है। सरकार अहमदनगर, नासिक, होशंगाबाद, सोलापुर व पुणे जैसी जगहों से 19-23 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से प्याज की खरीदारी कर रही है।

प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध

प्याज के बढ़ते दाम को देखते हुए कुछ माह पहले प्याज के निर्यात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया था। वैसे ही चीनी के कम उत्पादन की आशंका के तहत चीनी के निर्यात पर भी रोक लगा दी गई। गेहूं के निर्यात पर पिछले एक साल से भी अधिक समय से प्रतिबंध जारी है।

गत दिसंबर माह की खुदरा महंगाई दर 5.69 प्रतिशत के साथ चार माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। वहीं खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर गत दिसंबर में 9.53 प्रतिशत हो गई जबकि वर्ष 2022 दिसंबर में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर 4.19 प्रतिशत थी।

चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध जारी

गोयल ने कहा कि चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध जारी रहेगी, लेकिन चीनी के आयात का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। उन्होंने कहा कि सामान्य चावल के निर्यात पर प्रतिबंध के बावजूद घरेलू स्तर पर चावल के दाम में बढ़ोतरी के मामले की जल्द ही समीक्षा की जाएगी।

बासमती चावल का निर्यात खुला हुआ है, लेकिन लाल सागर में व्यवधान से बासमती चावल का निर्यात भी प्रभावित है। फिर भी घरेलू स्तर पर चावल के दाम में कमी नहीं हो रही है।

उन्होंने बताया कि इस साल गेहूं का रिकार्ड उत्पादन होने की संभावना है और अगर घरेलू गेहूं का स्टॉक जरूरत से काफी अधिक हो जाता है तो गेहूं निर्यात पर लगी पाबंदी को खोलने पर विचार किया जा सकता है।

गोयल ने बताया कि खाद्य आइटम पर प्रतिबंध के बावजूद पड़ोसी व विकासशील देशों की गुजारिश पर भारत उन्हें गेहूं व अन्य अनाज की लगातार सप्लाई कर रहा है। इनमें इंडोनेशिया, भूटान, अफगानिस्तान जैसे कई देश शामिल हैं।

बच्चे से हो गए बड़े पर नहीं बदली आधार पर फोटो? इन स्टेप्स को फॉलो कर मिनटों में हो जाएगा काम

भारतीयों के लिए आधार कार्ड एक पहचान पत्र है जिसका इस्तेमाल आप सरकारी और गैर-सरकारी दोनों कामों के लिए कर सकते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि समय-समय पर सरकार इसे अपडेट करने की सलाह देती रहती है। ऐसे में अगर आपने लंबे समय से अपनी फोटो को अपडेट नहीं किया है तो आप इसे बदल सकते हैं। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में 2010 में आधार कार्ड योजना शुरू हुई थी। आज के समय में आधार हमारे और आप के लिए कितना महत्व रखता है, ये तो हम सब अच्छे से जानते ही हैं। आधार हमारी पहचान है, लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि अगर आपको अपने आधार कार्ड में कोई बदलाव करना हो तो वह कैसे किया जाता है।

वैसे तो इसमें कई प्रकार की जानकारी दी जाती है, जैसे फोटो, आपका एड्रेस, आपका ईमेल, फोन नंबर और बहुत कुछ।आज आपको हम बताने वाले हैं कि अपने आधार कार्ड की फोटो कैसे अपडेट कर सकते हैं।

आधार कार्ड पर बदल सकेंगे फोटो

अगर आपने अपने आधार कार्ड की फोटो लंबे समय से नहीं बदली है, तो इसपर विचार करने का ये अच्छा टाइम है।

UIDAI के मुताबिक 15 साल की उम्र के बाद किसी भी व्यक्ति को अपनी फोटो के साथ आधार की जानकारी अपडेट करना अनिवार्य होता है।

आधार कार्ड की फोटो में बदलाव के लिए अप्लाई करने के पहले इस बात का ध्यान रखें कि जो जानकारी आपने आधार कार्ड बनवाते समय दी थी, जैसे नाम, पता, उम्र, जेंडर, फोन नंबर और ईमेल आईडी को भी ऑनलाइन चेंज कर सकते हैं।

वहीं बायोमेट्रिक विवरण, जैसे फिंगरप्रिंट, आइरिस और फोटोग्राफ को ऑनलाइन अपडेट करने के लिए अपने पास के आधार नामांकन केंद्र पर जाना होगा और न्यूनतम चार्ज देना होगा।

कैसे बदलें आधार की फोटो

यदि आप भी अपने आधार की फोटो अपडेट करना चाहते हैं, तो आपको स्टेप बाइ स्टेप यहां सारी जानकारी मिल जाएगी।

सबसे पहले आपको सबसे पहले UIDAI की आधिकारिक वेबसाइट - uidai.gov.in पर जाना होगा।

इसके बाद आप आधार का नामांकन फॉर्म डाउनलोड करें (आप चाहें तो अपने पास के आधार सेवा केंद्र या आधार नामांकन केंद्र या फिर

पास के CSC केंद्र से भी इसका फॉर्म लेकर आ सकते हैं।)

इसके बाद आप अपने आवश्यक जानकारी भरें।

इसके बाद आप फॉर्म में भरी जानकारी को अपने पास के आधार सेवा केंद्र या CSC केंद्र पर जाकर जमा करवा दें। यदि आप ये जानना चाहते हैं कि आपके सबसे पास कौन सा आधार सेवा केंद्र है, तो आप इस इंटरनेट साइट (recruitments.uidai.gov.in/) पर जाकर भी पता लगा सकते हैं।

जब आप केंद्र पर पहुंच जाएंगे तो आपको वहां मौजूद कर्मचारी मिलेगा, जो कि बायोमेट्रिक सत्यापन के माध्यम से सभी विवरणों की पुष्टि करेगा।

इसके बाद वह कर्मचारी आधार कार्ड अपडेट करने के लिए आपकी नई फोटो खींचेगा।

इसके बाद वहां आपसे आधार अपडेट करने के लिए GST के साथ मात्र 100 रुपये का शुल्क लिया जाएगा।

इसके बाद वह आपको URN Number यानी की अपडेट रिक्वेस्ट नंबर के साथ पावती पर्ची देगा, जिससे आप UIDAI की वेबसाइट पर जाकर पके द्वारा कराए गए चेंजेस को ट्रैक कर सकते हैं।

ये जानकारी भी है जरुरी

बता दें कि आधार कार्ड को अपडेट होने में ज्यादा से ज्यादा 90 दिनों का समय लग सकता है। आप अपने आधार अपडेट की स्थिति को जांचने के लिए URN नंबर का उपयोग कर सकते हैं।

जैसे ही आधार कार्ड अपडेट हो जाता है, आप अपने पास के आधार सेवा केंद्र या CSC केंद्र से जाकर अपने आधार कार्ड का प्रिंट निकलवा सकते हैं।

यदि आप खुद से अपडेटेट आधार डाउनलोड करना चाहते हैं, तो आप UIDAI की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर भी अपना आधार डाउनलोड कर सकते हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि भारत में आधार कार्ड की योजना साल 2010 में शुरू हुई थी। पिछले 13 सालों से आप और हम आधार कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं।

जल्द खुलेंगे इथेनॉल ईंधन स्टेशन, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का एलान

परिवहन विशेष न्यूज

देश की शीर्ष रिफाइनरी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन 300 इथेनॉल ईंधन स्टेशन खोलेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को यह एलान किया।

नई दिल्ली। देश की शीर्ष रिफाइनरी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन 300 इथेनॉल ईंधन स्टेशन खोलेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को यह एलान किया।

पश्चिमी शहर पुणे में एक चीनी सम्मेलन के मौके पर गडकरी ने कहा, ₹इथेनॉल पंप खोलने की मेरी मांग को पेट्रोलियम मंत्री ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने आगे कहा, इंडियन ऑयल ने देश में 300 इथेनॉल पंप शुरू करने का फैसला लिया है।

भारत, दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता। साथ ही यह अपने 2070 नेट-शून्य कार्बन लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए उत्सुक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जापानी कार निर्माताओं की मांगों के बाद, भारत के व्यापार विभाग ने स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर शिफ्ट होने में मदद के लिए हाइब्रिड वाहनों पर टैक्स को कम करने का समर्थन किया है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने गुजरात ग्लोबल समिट में कहा था कि वह भारत से पेट्रोल और डीजल को उसी तरह खदेड़ने के मिशन पर हैं जैसे भारत छोड़ो आंदोलन था। मंत्री जी ने कहा कि वायु प्रदूषण को रोकने और आयातित कच्चे तेल पर भारत की निर्भरता कम करने के लिए स्वच्छ और वैकल्पिक ईंधन के उत्पादन और इस्तेमाल को बढ़ाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ₹मैं हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक और फ्लेक्स-फ्यूल कारों में सफर करता हूं ताकि वैकल्पिक ईंधन का प्रचार कर सकूं। जिस तरह हमने अंग्रेजों को भगाने के लिए 'भारत छोड़ो' आंदोलन चलाया था। उसी तरह मैं देश से पेट्रोल और डीजल को खदेड़ने के मिशन पर हूं।

गडकरी ने कहा कि देश वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रहा है और परिवहन क्षेत्र इसमें लगभग 40 प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने कहा, ₹अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए कच्चा तेल आयात करने का भारी-भरकम बिल एक आर्थिक चुनौती है। हमें प्रदूषण मुक्त और स्वदेशी ईंधन खोजने की जरूरत है जो कि किफायती भी हो।

राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष में रक्तदान आयोजन हुआ....

मैसूर जगदीश सीरवी

कर्नाटक मैसूर के माधव कृपा स्थित रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट मैसूर, जन जागरण ट्रस्ट वह सावरकर प्रतिष्ठान मैसूर द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस (स्वामी विवेकानन्द जी) के जन्मदिन के उपलक्ष में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया 55 लोगों ने रक्तदान किया एकत्रित रक्त जीवधारा ब्लड बैंक में जमा कराया गया शिविर में उपस्थित डॉक्टर चंद्रशेखर सामाजिक कार्यकर्ता, सतीश जन जागरण ट्रस्ट सदस्य, बगदाराम कुमावत रक्तदान महादान गौ भक्त संगठन ट्रस्ट मैसूर अध्यक्ष चिरंजीलाल सचिव महेंद्र चोयल संगठन मंत्री गुदड राम संगठन मंत्री, अमराराम सीरवी सदस्य ट्रस्ट के संरक्षक पृथ्वी सिंह चंद्रावत विरमाराम माली समाज सेवी यशस्विनी सावरकर प्रतिष्ठान अध्यक्ष, शिव सावरकर प्रतिष्ठान सदस्य गिरीश बाल गोकुल प्रांत कार्यकारिणी सदस्य जीवधारा रक्त कोष के निर्देशक गिरीश सहित अनेक गणमान्य लोग व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वर्ष 2024 में सरकार बजट में गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए कर सकती है बड़ी घोषणाएं, जाने क्या ही सकती हैं घोषणाएं

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 1 फरवरी को बजट पेश करने जा रही है। आपको बता दें तो मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का यह आखिरी बजट है। जैसा कि आप जानते है की देश में बजट केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा पेश किया जाता है।

मोदी सरकार द्वारा यह आखिरी बजट अंतरिम बजट होगा। लेकिन माना जा रहा है कि इस बजट के साथ सरकार अगले वित्त वर्ष में किए जाने वाले विकास का खाका पेश कर सकती है। ऐसे में देश के हर नागरिक को उम्मीद है की इस बजट में हर वर्ग को फायदा होगा।

सरकार इस बार बजट में गरीब, युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्राथमिकता देने वाली है। देश में इन वर्गों के लिए कई बड़े ऐलान हो सकते है।

इस बजट को लोग जी. वाई. ए. एन. (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) का बजट भी कह रहे हैं।

वर्ष 2024 के बजट में हो सकती हैं 10 बड़ी घोषणाएं

घर के लिए इंट्रेस्ट सब्वेंशन स्कीम की घोषणा हो सकती है.

एनपीएस को आकर्षक बना सोशल सिक्योरिटी बढ़ाने पर फोकस रहने की उम्मीद. बजट में किसान सम्मान निधि में बढ़ोतरी संभव, सम्मान निधि को बढ़ाकर 8000 से 9000 तक किया जा सकता है.

किसानों के लिए फसल के साथ स्वास्थ्य और जीवन बीमा का भी प्रस्ताव संभव है.

महिलाओं के लिए बजट एलोकेशन में बढ़ोतरी की जा सकती है. पिछले 10 सालों में 30% एलोकेशन बढ़ा है.

महिलाओं के लिए डायरेक्ट कैश ट्रांसफर जैसी योजना संभव है.

महिलाओं के लिए कौशल विकास की योजना संभव है.

महिला किसानों के लिए सम्मान निधि 12 हजार तक की जा सकती है.

मनरेगा के लिए महिलाओं को विशेष आरक्षण और अधिक मानदेय की उम्मीद है. इसके लिए महिलाओं को ब्याज रहित लोन की पेशकश की जा सकती है.

पंचायत समिति रायपुर की साधारण सभा में उठाए विकास के मुददें

राजस्थान ब्यावर रायपुर जगदीश सीरवी

ब्यावर रायपुर पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक शनिवार को प्रधान कमला चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें मनरेगा के वार्षिक प्लान का अनुमोदन किया गया। साधारण सभा को संबोधित करते हुए प्रधान कमला चौहान ने कहा कि किसी भी कार्य में लापरवाही बदाशरूत नही होगी। उन्होनें जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से सरकार की जनकल्यणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुचानें का आहावान किया। सेन्दड़ा सरपंच रतनसिंह भाटी ने आजादी के पूर्व से संचालित राजकीय एड पोस्ट डिसपेन्सरी (उपस्वास्थ्य केन्द्र) को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत कराने, सेन्दड़ा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर बालिका विद्यालय खुलवाने, राष्ट्रीय राजमार्ग 162 पर धौलिया सरहद में सेलीबेरी चौरायें से एक तरफा सेन्दड़ा जानें वाली सडक निर्माण कार्य कर हो रहे हादसें को रोकनें, सेन्दड़ा से रामगढ सेडोतान जिला सीमा तक डामरीकरण कराने, सेन्दड़ा ग्राम पंचायत के राजस्व ग्राम रामगढ सेडोतान से चडपला माता मन्दिर, नीलकण्ठ महादेव तीर्थ स्थल होते हुए राजस्व ग्राम कोटडी को डामरीकरण से जोडने, हर घर नल योजना के तहत बिछाई गई पाईप लाईन के दौरान क्षतिग्रस्त सडक की मरम्मत करवाने, ग्रामीण क्षैत्रों में वर्षो से सरकारी भूमि पर बने आवासों का आबादी में नियमन कराने, जल जीवन मिषन के तहत राजस्व ग्राम केसरपुरा व धौलिया में अधूरे पडें कार्य को पूरा करवाकर पेयजल व्यवस्था सुचारू करवाने, राजस्व ग्राम रामगढ सेडोतान, झाडली मानपुरा व केसरपुरा में उपस्वास्थ्य केन्द्र खुलवानें, उपतहसील मुख्यालय की ग्राम पंचायत सेन्दड़ा में नई पंचायत समिति का गठन कराने, उपतहसील कार्यालय को तहसील कार्यालय में क्रमोन्नत कराने, रोडवेज बसों का संचालन सेन्दड़ा कस्बे से होकर करवाने, ग्रामीण क्षैत्रों में वर्षो से सरकारी भूमि पर बने रहवासी मकानों का आबादी में नियमन कराने, राजस्व ग्राम बोरवाड, राजस्व ग्राम षेरगढ राजस्व ग्राम कोटडी, नाका की ढाणी धौलिया, बिस्कुट फैक्ट्री एरिया सेन्दड़ा, हाटोला बाडिया व सुवालिया बाडिया रामगढ सेडोतान, रावला बाडिया मानपुरा, मुंदा की मोर केसरपुरा में आंगनबाडी केन्द्र खुलवानें, पात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा योजना से जुडवाने, राजकीय पशु चिकित्सालय भवन का निर्माण कार्य करवाने, राष्ट्रीय राजमार्ग 162 पर नियमों को ताक में खातेदारी जमीन की आड में बेषकीमती सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर निर्माण कार्य करने वालों के खिलाफ कार्यवाही कराने, कोरोना काल में हुई विधवा महिलाओं की पेंषन करीब आठ माह से बंद पडी हैं। अभी तक वापस चालू करवाने सहित विभिन्न मुददें उठाकर समस्या समाधान की मांग की।

महावीर इंटरनेशनल मीरा व वी क्लब गौरव के संयुक्त तत्वाधान में मकर सक्रांति पर्व मनाया

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। मीरा अध्यक्ष मंजु बापना ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजु पोखरना के सानिध्य में वीरा उषा डोसी, उषा बिहानी, आशा बियानी के सहयोग से ओडो का खेड़ा गाँव में निर्धन व असहाय महिलाओं व बच्चो को तिल के लड्डु, बिस्किट, मोज़े की जोड़यिा आदि वितरण की।

वी क्लब गौरव अध्यक्ष अर्चना सोनी ने बच्चो व लड़कियों को समझाया पतंग के साथ चाइनीज़ माजा नहीं ले, सभी को साफ़ सफ़ाई से रहने एवं रोज़ाना स्कूल जाने हेतु प्रेरित किया।कार्यक्रम में मंजु पोखरना, मंजु बापना, अर्चना सोनी, कला कुदाल, निशा सोनी, आशा बियानी, उषा बिहानी, उषा डोसी, पिंकी सोनी आदि उपस्थित थी।

श्री मंदिर परिक्रमा के लिए रथ यात्रा कार्यक्रम इस माह की 7 तारीख से 15 तारीख तक चलेगा...

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेस्वरः ओड़िशा की पुरी मे श्रीमंदिर परिक्रमा केलिये सरकार ने दिन रात एक दिए हैं। परिक्रमा रथ का प्रत्येक गाँव में भव्य स्वागत किया गया, झोटी, चीता वाली महिलाओं ने पम्मखुरूज पर जगन्नाथ की छवि बनाई, साथ ही धूप, दीप और संकीर्तन मंडलों ने हर घर से अमरूद और चावल एकत्र किए। चक्कपाड़ प्रखंड के सभी जुलूसों में क्षेत्र के लोगों ने परिक्रमा रथ का स्वागत किया।

प्रति रिट्रीट प्रसाद उपभोग के लिए लगभग रु. 80,000/संकीर्तन मंडली के रथों के साथ यात्रा करने वाले कलाकारों के लिए भक्ति संगीत प्रस्तुत करने के लिए रु. 20,000/- और रथ के रूप में उपयोग की जाने वाली गाड़ी में तेल के लिए रु. 20,000/- l, माइक , कैमरा, रूपये 40,000/- कुल राशि रूपये 2 लाख सरकार द्वारा दी गयी है।

जिला कलेक्टर व विधायक ने शिविर में सड़क दुर्घटना में मृतक के आश्रित को प्रदान की मुख्यमंत्री सहायता कोष से आर्थिक सहायता की राशि

शिविरो के आयोजन को लेकर आमजन में दिखा खासा उत्साग

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा। विधायक लालाराम बैरवा तथा जिला कलक्टर टीकम चन्द बोहरा ने शनिवार को राक्षी में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर स्थल पर लगे विभागीय स्टॉल्स का अवलोकन किया। अधिकारियों से योजनावार लाभान्वितों का फीडबैक लिया।

शिविर में सर्वप्रथम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्री रिकॉर्ड वीडियो तथा विकसित भारत संकल्प यात्रा की फिल्म का प्रदर्शन किया गया। शिविर में उपस्थित आमजन को 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की शपथ दिलाई गई । पीएम उज्जवला योजना के लाभार्थियों को शिविर में ही गैस कनेक्शन के साथ ही गैस सिलेंडर और चूल्हे का वितरण किया गया। स्वामित्व योजना के तहत प्रमाण पत्रों को वितरित किया गया।

विधायक बैरवा ने शिविर में मोजूद आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत कैंप का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 2047 में 100 वर्ष आजादी के पूरे होने तक अगर हम संकल्प लेते है तो राष्ट्र को निश्चित तौर पर विकसित बना लेंगे। उन्होंने शिविर में केंद्र सरकार की कई जनकल्याणकारी कई

योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया ।जिला कलेक्टर टीकम चन्द बोहरा ने अधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा व्यक्तियों तक पहुंचने तथा उन्हें योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए ।जिला कलेक्टर बोहरा व विधायक बैरवा ने शिविर में दिसंबर (2023) माह में सड़क दुर्घटना में मृत स्व विष्णु कंवर के पति रजेंद्र सिंह को मुख्यमंत्री सहायता कोष से प्राप्त आर्थिक सहायता की 1 लाख रुपए की राशि का चेक प्रदान किया।

महिलाओं, उत्कृष्ठ खिलाड़ियों, कलाकारों को प्रमाण पत्र दिए गए और उपस्थितों को अभिनंदन पत्र भेंट किए गए। आमजन में शिविरों को लेकर खासा उत्साह नजर आया। शिविर में बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी।

शिविर में उपखंड अधिकारी राज्केश मीणा , नायक तहसीलदार सत्यं नारायण बिरला सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

भाजपा जिला मीडिया संयोजक समदानी एवं जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया को नियुक्त किया

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी की सहमति से भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने भाजपा के मीडिया संगठनात्मक नियुक्ति में भाजपा जिला मीडिया संयोजक महावीर समदानी को एवं जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया को नियुक्त किया यह जानकारी जिला महामंत्री भगवती प्रसाद जोशी ने दी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023